सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 285 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 28 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

जगन्नाथ पुरी के समुद्र में डूबने से भिलाई के युवक की मौत, नहाते समय लहरों के साथ समुद्र में समाया, शोक में परिजन

भिलाई। रुआबांधा भिलाई के एक युवक की पूरी के समुद्र में डूबने से मौत हो गई। घटना 27 जुलाई की है जब युवक मंदिर दर्शन के बाद पुरी बीच पर नहाने पहुंचा। इस दौरान तेज लहरों ने उसे खींच लिया जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद तट रक्षक टीम की मदद से युवक के शव को बाहर निकाला गया। सोमवार को रिसाली के मुक्तिधाम में युवक का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार भिलाई के रिसाली नगर निगम रूआबांधा वार्ड क्रमांक 3 का निवासी मुकेश गुप्ता (26) ओडिशा के पुरी भगवान जगन्नाथ दर्शन के लिए गया था। 27 जुलाई को मुकेश गुप्ता अपने साथियों के साथ पहुंचा। भगवान के दर्शनों के बाद वह पुरी बीच पर समुद्र में नहाने पहुंचा। इस दौरान समुद्र के तेज लहर ने उसे अंदर खींच लिया और डूबने से मुकेश गुप्ता की मौत हो गई है। पूरी तट पर मौजूद तट रक्षकों की टीम ने उसके शव को बाहर निकाला। घटना की सूचना के बाद रुआबांधा भिलाई में उनके परिवार में मातम का माहौल है। युवक का शव रुआबांधा भिलाई लाया जा रहा है। सोमवार को रिसाली के मुक्तिधाम में युवक का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

तहसीलदार-नायब तहसीलदारों ने किया काम बंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आम लोगों को तहसील से जुड़े कामकाज को लेकर आने वाले कुछ दिनों तक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। तहसील दफ्तरों में कामकाज फिलहाल ठप्प रहने के आसार है। दरअसल इसकी वजह है पूरे प्रदेश में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का विरोध प्रदर्शन। छत्तीसगढ़ी व्यंजन बता दें कि छत्तीसगढ़ राज्य के तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों ने अवकाश लेते हुए तीन दिनों के विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने 17 सूत्रीय मांगो को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

कांवड़ियों पर सीएम साय ने आसमान से बरसाए फूल

सावन माह के तीसरे सोमवार को भोरमदेव में भी भव्य आयोजन, पुष्पवर्षा के बाद सीएम साय ने शिवभक्तों को किया प्रसादी का भी वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। सावन माह के तीसरे सोमवार को छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थित बाबा भोरमदेव में एक बार फिर श्रद्धा, भक्ति और सनातन आस्था का जीवंत प्रतीक बन गया है। यहां आज सुबह करीब 11.30 बजे सीएम विष्णुदेव साय ने हेलीकॉप्टर से भोरमदेव मंदिर परिसर पहुंचकर कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं, भक्तों व कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब सीएम ने स्वयं श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा से स्वागत किए है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ सरकार की सनातन परंपरा, लोक आस्था व श्रद्धालुओं के प्रति सम्मान के भाव को दर्शाता है, जो राज्य के सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।

हर हर महादेव के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं का बढ़ाया हौसला

उन्होंने हर-हर महादेव और बोलबम के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं और हजारों कावड़ियों का हौसला बढाते हुए भोरमदेव परिसर में आत्मीयता से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पिछली सरकार ने सनातनीयों पर लाठी डंडे बरसाए थे हमने कांवड़ियों की स्वागत अभिनन्दन में फूल बरसाए हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता को सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए छत्तीसगढ़ की खुशहाली की कामना की।

इस दौरान सीएम साय के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा व अरुण साव के साथ पंडरिया विधायक भावना बोहरा भी मौजूद रही। पुष्प वर्षा के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डॉ रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव आदि ने मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर पूजा अर्चना की। बता दें कि सावन माह में भोरमदेव मंदिर का विशेष धार्मिक महत्व है। तीसरे सोमवार होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या और उनकी आस्था दोनों ही चरम पर है। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम, बेमेतरा, खैरागढ़, राजनांदगांव, बलौदा बाजार, मुंगेली, बिलासपुर समेत अन्य जिलों से हजारों की संख्या में कांवड़िए भोरमदेव पहुंचते हैं। साथ ही, मां नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से जल लेकर पदयात्रा करते हुए भोरमदेव मंदिर पहुंचते हैं और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। मान्यता है कि भोरमदेव में जल चढ़ाने से भक्तों पर शिवकृपा बनी रहती है।

विधायक भावना बोहरा ने किया आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तब कबीरधाम के हैलीपैड पहुंचे तो पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने उनका आत्मीय स्वागम किया। भावना बोहरा एक दिन पहले ही अपनी सात दिनों की कांवड यात्रा पूरी कर भोरमदेव पहुंची। उन्होंने मध्यप्रदेश के अमरकंटक से कबीरधाम के भोरमदेव तक 151 किमी की कांवड़ यात्रा निकाली थी। यह कांवड़ यात्रा माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से प्रारम्भ होकर लम्हनी, वन ग्राम महामाई, खुड़िया,गौरकांपा, पंडरिया, मोहतरा, पांडातराई, डोंगरिया महादेव,बोड़ला होते हुए भोरमदेव मंदिर में पूर्ण हुई। इस दौरान भोरमदेव मंदिर में भंडारा एवं महाप्रसादी वितरण का भी आयोजन किया गया जिसमें 5000 से अधिक शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने भी भोरमदेव मंदिर में दर्शन करने हेतु पधारे श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों का अभिनंदन किया और प्रसाद वितरण किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधान सभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह व डिप्टी सीएम डॉ रमन सिंह ने उनके इस साहसिक यात्रा की सराहना भी की। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि यह यह क्षण और मेरे लिए गौरव और भावनाओं से भरा है जो मुझे आजीवन स्मरणीय रहेगा। भगवान भोलेनाथ और माँ नर्मदा के आशीर्वाद से और कबीरधाम जिला के शिवभक्तों, कांवड़ यात्रियों के अपार स्नेह,अपनत्व और सहयोग से यह यात्रा आज पूर्ण हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने यात्रा के दौरान फोन पर बातचीत करके हम सभी का हौसला बढ़ाया।

नशीले पदार्थ हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार जामुल पुलिस की सक्रियता से पकड़ाए आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नशीले पदार्थ हेरोइन अर्थात चिट्टा के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। जामुल पुलिस ने 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड भिलाई में आरोपियों को दबोचकर 10.55 ग्राम हेरोइन(चिट्टा), 02 मोबाईल, 01 कार थार कुल कीमती 9,51,200 रुपए जब्त किया है।

पुलिस के मुताबिक मुखबीर द्वारा सूचना मिला कि 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड नाला के पास तीन लड़के मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) बिक्री करने हेतु ग्राहक तलाश रहे है। जामुल पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर सूचना मिलते ही 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड नाला के पास पहुंची।

पुलिस को आते देख संदेहियों द्वारा भागने का प्रयास किया गया। जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने अपना नाम दीपक नायकर निवासी 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड भिलाई, वैभव सोनी निवासी हाउसिंग बोर्ड भिलाई एवं लुकेश कुमार सिंह निवासी केम्प-1 भिलाई का रहने वाला बताया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। इनके खिलाफ धारा 21(ख), 27(क) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई किया गया है।

रायगढ़ के केलो डैम में जलभराव पूरा, 4 गेट खोले गए

रायगढ़। जिले में पिछले 3 दिनों से अच्छी बारिश हुई। जिससे केलो डैम का पानी लबालब भर गया है। इस वजह से डैम के 4 गेट खोल दिए गए थे, वहीं शनिवार 26 जुलाई को एक गेट बंद कर दिया गया और रविवार को 3 गेट खुला रखा गया है। केलो डैम की क्षमता 233 मीटर है।

वर्तमान समय में इसमें 230.15 मीटर लेबल पानी भरा है। इस बार मानसून सीजन में डैम का गेट 2-3 बार गेट खोला गया है। वहीं, जिले में 25 जुलाई तक की स्थिति में 698.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। वर्तमान समय में डैम का 3 गेट खुला रहने से नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जल संसाधन अधिकारियों के मुताबिक, खतरे वाली कोई बात नहीं है और पहले की अपेक्षा ज्यादा पानी नदी में बह रहा है। शहर में रविवार को बारिश नहीं हुई। वहीं ग्रामीण इलाकों में हल्की बारिश होने की बात कही जा रही है।

कपिल शर्मा शो में आया एड और फंस गया शख्स, शेयर ट्रेंडिंग में गंवा दिए 35 लाख रुपए, पुलिस ने दर्ज किया अपराध

भिलाई नगर थाना क्षेत्र का मामला, अलग अलग किश्तों में जमा किए लाखों रुपए, पुलिस ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शेयर ट्रेडिंग के नाम पर धोखाधड़ी के मामलों में कमी नहीं आ पा रही है। लगातार लोग इसका शिकार हो रहे हैं। ज्यादा फायदे के लालच में लोग निवेश कर रहे हैं और बाद में पैसे नहीं मिल पाते। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामले काफी बढ़ गए हैं। खास बात यह है कि इन मामलों में पुलिस भी कई केस सॉल्व नहीं कर पा रही है। ताजा मामले में सेक्टर-8 में रहने वाले एक शख्स ने कपिल शर्मा शो में आए एक एड के झांसे में आकर फंसा और 35 लाख से ज्यादा की रकम गवां ली। इस मामले में शिकायत के बाद भिलाई नगर पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

इस संबंध में क्राटर नं 4 ए सडक नं 35 सेक्टर- 08 निवासी आर रूपेश ने इस

संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 7 अप्रैल 2025 को फेसबुक पर वह द कपिल शर्मा के रील्स देख रहा था जिसमें एक अभिनेत्री Trade Finbridgecapitals.com के संबंध में जानकारी दे रही थी। इसके बाद रूपेश ने गूगल पर इसे सर्च किया। सर्च करने के कुछ ही देर में क्रांटम राधिका ने रूपेश से संपर्क किया और शेयर ट्रेडिंग को लेकर पूछा। इच्छा जाहिर करने पर नियम और टर्म बताया गया।

26 हजार देकर शुरू की थी ऑनलाइन ट्रेंडिंग

कालर द्वारा बताया गया कि यूएसडीटी पर ट्रेडिंग प्रारंभ करना चाहते हैं तो 26000 लागत लगाकर ट्रेडिंग व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं। इसके बाद कहा गया कि आप अपना फायनेंसियल एडवाइजर रख सकते हैं या कंपनी आपको फायनेंसियल एडवाइजर दे सकती है। इसके बाद आवेदक द्वारा रकम 25704 रुपए एचडीएफसी बैंक के खाते से मुकुल पाठक कंपनी Trade Finbridgecapitals.com ज्वाइन किया। रूपेश कहा गया कि उक्त रकम में बढ़ोतरी होते रहेगी।

पहले निवेश के बाद लगातार जमा की रकम

पहला निवेश के बाद अब रूपेश को लगातार निवेश के लिए कहा गया। रूपेश ने 12 मई 2025 को यूपीआई के माध्यम से 50 हजार रुपए पुरका नाम के व्यक्ति के बैंक खाता एयू स्मॉल फायनेंस बैंक जमा कराया। इसके बाद इसी खाते में लगातार रुपए जमा करता रहा। 12 मई से 4 जुलाई 2025 तथा 24 जुलाई से 25 जुलाई 2025 के बीच अलग किश्तों में रकम जमा करता रहा। कभी 50 हजार तो कभी एक लाख और बाद में यह रकम लाखों में पहुंच गई। इस प्रकार रूपेश से कुल 35,90,880 रुपए जमा करा दिए।

रुपए निकालना चाहा मो कंपनी ने मांगा कमीशन

जब रूपेश ने रुपए निकालने की इच्छा जताई तो कंपनी ने कमीशन मांगा। जब रूपेश ने कहा कि मेरा इन्वेस्टमेंट इतना ज्यादा है तो कमीशन किस बात का। इसके बाद कंपनी के लोगों ने साफकह दिया कि बिना कमीशन के रुपए नहीं मिलेंगे। इसके बाद कंपनी के लोगों ने रूपेश से गाली गलौच भी की। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ और उसने पूरे ट्रांजेक्शन रिकार्ड के साथ भिलाई नगर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। फ्लिहाल इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अभी तुमको मेरी जरूरत नहीं...

श्रीकंचनपथ

फिल्म पूरब और पश्चिम का एक मशहूर गीत है ... अभी तुमको मेरी जरूरत नहीं... बहुत चाहने वाले मिल जाएंगे... यह दर्द हर उस पुरुष का है जिसे उसकी प्रेमिका या पत्नी केवल इसलिए छोड़ जाती है कि उसे उससे बेहतर कोई मिल गया है। यही दर्द एक बार फिर छलका है राष्ट्रीय स्तर के बॉडीबिल्डर सचिन सिंह की बातों में। एक समाचार पत्र को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने दिल का दर्द साझा किया है। उनकी पत्नी दिव्या काकरान ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग होने का फैसला पोस्ट किया। यह एक अरेंज्ड मैरिज था। दिव्या एक अंतरराष्ट्रीय महिला पहलवान हैं। सचिन और दिव्या के पिता अच्छे दोस्त हैं। दिव्या ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वो अपने पति से अलग हो रही हैं। हालांकि अभी तलाक की अर्जी नहीं लगाई है। इसपर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सचिन ने अखबार को बताया कि जो नायब तहसीलदार हो, जिसके पास नेम, फेम हो, उससे कौन नहीं शादी करेगा? उसके लिए लड़कों की कमी है क्या? बड़ा फैसला मेरे लिए हो सकता है, सामने वाले के लिए नहीं। उसके पास 100 ऑप्शन हैं। पर मैं जिससे एक बार जुड़ता हूं, जिंदगी भर उसी से जुड़ा रहता हूं। एक मेरा डॉगी था, जिसको गुजरे हुए काफी समय हो गया। लेकिन, आज भी मुझे उसकी याद आती है। मेरी हर प्रोफाइल फोटो में वो आज भी है। जिसको हमने अपना लिया तो अपना लिया। सचिन का दर्द सच्चा हो सकता है, पर मौजूदा दुनिया में ऐसी कोरी भावुकता के लिए कोई जगह नहीं है। मौजूदा दौर 'मूव ऑन' करने का है। पर हर किसी का दिल सचिन की तरह बड़ा नहीं होता। कुछ लोग यह चोट सह नहीं पाते। ऐसे मामलों का अंत अक्सर हिंसा के रूप में सामने आता है। कोई खुद को मिटा देता है तो कोई बदला लेने को आतुर हो जाता है। ऐसी खबरें आए दिन पढ़ने-सुनने को मिल जाती हैं जिसमें पति ने पत्नी की या पत्नी ने पति की हत्या कर दी। दरअसल, रिश्तों में भावनाएं अब खत्म हो रही हैं। बात सिर्फ पति-पत्नी या प्रेमी-प्रेमिका की नहीं है। भाई-बहन, माता-पिता के साथ रिश्ते भी अब दरकने लगे हैं। रिश्ते अब जरूरत से शुरू होते हैं और जरूरत पर ही खत्म हो जाते हैं। माता-पिता की इज्जत भी तभी तक रहती है जब तक बच्चे उनपर आश्रित होते हैं। जैसे ही वो अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं, माता-पिता पर अपने फैसले थोपना शुरू कर देते हैं। पत्नी यदि पति पर आश्रित हो तो वह उसे छोड़ने की बात नहीं करती। रो-धोकर गुजारा कर लेती है। पर जब पति-पत्नी दोनों के पास अपना-अपना नेम-फेम हो तो जरूरत का रिश्ता खत्म हो जाता है। भारत में ऐसा हम सेलेब्रिटी जगत में देखते हैं, पश्चिम में यह घर-घर की कहानी है। है तो इंसान भी पशु ही, कब तक रिश्तों को ढोए।

संपादकीय

मंगल कार्य का श्रेय देवेंद्र फडणवीस को

महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में यशवंतराव चव्हाण को संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के बाद राज्य में मंगल कलश को लाने का श्रेय जाता है। वसंतराव नाईक सबसे लंबे कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन महाराष्ट्र के कोने-कोने में मंगल कार्य को पहुंचाने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो वो वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र को विकास की अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज टेस्ला की कार हिन्दुस्तान में लॉन्च होती है तो इस कार का स्वागत करते हुए फडणवीस की तस्वीर सबसे पहले प्रकाशित होती है। उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्राप्त करने वाला सबसे बड़ा राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र कारोबार में भी शीर्ष पर मौजूद है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वो परियोजनाएं भी साकार होती दिख रही हैं जो कई दशक से लटकी हुई थीं। उदाहरण की तौर पर मुंबई और न्हावाशेवा को जोड़ने वाले 'अटल सेतु' की परिकल्पना 1964 में की गई थी, लेकिन पूरे छह दशक बाद देवेन्द्र फडणवीस जी के ही कार्यकाल में न्हावाशेवा सी लिंक परियोजना की मंजूरी, कार्यान्वयन और लोकार्पण हो सका।

> ***इसी तरह से मुंबई की कोस्टल रोड परियोजना की परिकल्पना 1952 में की गई थी। तब से लेकर कई दशक तक ये परियोजना सिर्फ कागजों पर बनी रही। विधान मंडल की प्रश्नोत्तरी में भी बार-बार इस परियोजना पर प्रश्न पूछे गए और सरकार ने इससे जुड़े हर सवाल का सटीक उत्तर दिया। उन्होंने अपने प्रथम कार्यकाल में कोस्टल रोड की परियोजना का शिलान्यास किया और उनके ही कार्यकाल में ही ये योजना लोकार्पित की गई। दो और परियोजनाएं हैं जो हर किसी की नजर में हैं। पहली मुंबई मेट्रो की परियोजना और दूसरी मुंबई में मेट्रो परियोजना का विस्तार। बॉम्बे अर्बन टाउन प्लानिंग 1, जो 1970 के दशक में प्रारंभ हुई। मुंबई में मेट्रो के एक चरण का निर्माण कार्य ही हो पाया।***

इस परियोजना का एक फेज तो प्रारंभ हो गया, लेकिन मुंबई मेट्रो के कई कॉरिडोर, जैसे-मेट्रो लाइन 2ए, मेट्रो लाइन 7 और मेट्रो लाइन 3, जैसी परियोजनाओं की भी मंजूरी से लेकर लोकार्पण तक देवेन्द्र फडणवीस जी के कार्यकाल में ही संभव हो सका, लेकिन जब ढाई वर्षो के लिए 2019 से 2022 की कार्यावधि में सीएम फडणवीस सत्ता में नहीं थे तो मेट्रो की इन परियोजनाओं को तत्कालीन उद्धव ठाकरे की सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, यार्ड के विवाद के नाम पर परियोजनाएं रोक दी गई थीं, फडणवीस की सरकार बनते ही इस परियोजनाओं को गति मिलना प्रारंभ हुआ। मुंबई ही नहीं नागपुर मेट्रो का भी शुभारंभ उन्हीं के कार्यकाल में हुआ। ठाणे समेत अन्य कई शहरों में मेट्रो की परियोजनाएं चल रही हैं। जब तक वो सीएम नहीं बने थे तब तक अलग राजनीतिक का मुद्दा अक्सर सुर्खियों में छाया रहता था। महाराष्ट्र के विकास के नाम पर राजनीति के साथ सौतेला व्यवहार होता था।

कई दशक से राजनीति करने वालों ने जिस तरह से विदर्भ को विकास की हिस्सेदारी से वंचित रखा था, उससे पृथक विदर्भ की मांग गूंज रही थी, लेकिन फडणवीस ने मुख्यमंत्री बनते ही 'समृद्धि महामार्ग परियोजना' की संकल्पना प्रस्तुत कर अपने कार्यकाल में ही 700 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस वे को साकार कर दिया। जब से समृद्धि महामार्ग का लोकार्पण हुआ है तब से दोनों की दूरी सिमट सी गई है। इस समृद्धि महामार्ग ने मुंबई के हृदय से नागपुर के हृदय को जिस तरह से जोड़ा है, उसने नाकारात्मक राजनीति करने वालों की बोलती बंद कर दी। ये महाराष्ट्र की जीवन रेखा बन गई है। इस जीवन रेखा को साकार करने के संकल्पनाकार भी देवेन्द्र फडणवीस हैं। गढ़चिरौली जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की योजनाओं को पहुचाने का कार्य देवेंद्र फडणवीस ने किया। फडणवीस के कार्यकाल में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सड़कों का क्रांतिकारी कायाकल्प हुआ। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर उन्होंने जबरदस्त फोकस किया है कि आज महाराष्ट्र का लगभग हर गांव सड़क के नेटवर्क से जुड़ गया है। महाराष्ट्र में हमेशा अकाल का भयंकर असर होता था। इन्होंने अपने पहले कार्यकाल में 11 हजार गांवों को जल युक्त शिवार अभियान से जोड़कर जिस तरह जल समृद्धि योजना को साकार किया उससे महाराष्ट्र का बड़ा हिस्सा अकाल मुक्त हो सका। किसानों की ऋण माफी के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज की शेतकरी सम्मान योजना लाकर बड़े पैमाने पर किसानों को राहत प्रदान की गई।

पूरे देश में नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया का कार्यक्रम चलाया, उसका परिणाम आज दिखाई दे रहा है। भारत आज मोबाइल, ऑटोमोबाइल, फार्मा जैसे तमाम क्षेत्रों में न सिर्फ आत्मनिर्भर बना है, बल्कि बड़े निर्यातक के तौर पर भी उभरा है। उसी तरह से सीएम फडणवीस ने 'मेक इन महाराष्ट्र' को बल दिया जिससे फॉक्सकॉन जैसी कंपनियां भी महाराष्ट्र की ओर आकर्षित हुई। और यदि बीच के दिनों में उद्धव ठाकरे का कार्यकाल न आया होता तो ये निश्चित था कि फॉक्सकॉन और वेदांता की सेमीकंडक्टर परियोजना महाराष्ट्र में साकार हुई होती। मैगेनेटिक महाराष्ट्र जैसे समिट का आयोजन करके लाखों-करोड़ों रु पयों के एमओयू फडणवीस जी के कार्यकाल में ही साकार हुए और दूसरे दावोस में सीएम फडणवीस विस्तरीय सीईओ की ही तरह महाराष्ट्र के लिए निवेश आकर्षित करने में भी सफल रहे।

देशभर में सर्वाधिक स्मार्ट सिटी के रूप में शुमार पुणे, ठाणे, नागपुर जैसे शहरों का भी कायाकल्प फडणवीस जी के ही कार्यकाल में हुआ। उन्होंने अपने कार्यकाल में मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों को संसाधन मुहैया कराने के साथ ही महाराष्ट्र के गांवों को भी सुविधा संपन्न बनाकर उसके जीवन स्तर को ऊपर उठाया। महाराष्ट्र की जनता ने फडणवीस को जनादेश देकर यह संदेश दिया है कि अब केवल विकास एवं नीतिगत फैसले लेने वाले तथा सकारात्मक राजनीति करने वाले ही सफल होंगे।

5 हजार सरकारी स्कूल बंद करके, विश्व गुरु बनेगा भारत?

भारत भूषण अड़जरिया

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है।

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज्यादा स्नातकों का रोजगार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

इस साल फ़रवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हजार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज़ वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, गरीब में 643, 641 में गरीब में और 633 में बलिया में कब्जा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय, न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा।

बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है- तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खज़ाने से।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है। दुनिया भर में 10 करोड़ से अधिक अतिरिक्त बच्चे पढ़ने-लिखने के न्यूनतम स्तर से वंचित हो गए हैं। रिपोर्ट इस तथ्य को भी सामने लाती है कि इस वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में, यह समझना मुश्किल नहीं है कि कोविड के समय में भारत में कितने कम छात्र इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 18 प्रतिशत के पास इंटरनेट की सुविधा थी, लेकिन उनमें से कितने वास्तव में इसका उपयोग कर पाए, यह भी संदिग्ध है क्योंकि डेटा पैक खरीदने के लिए पैसे, मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली आदि जैसे कई सवाल इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले कितने छात्र इसका लाभ उठा पाए, यह भी एक सवाल है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निजी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 62 प्रतिशत से ज्यादा शिक्षक पूरी तरह योग्य नहीं हैं। ऐसे में, अगर शिक्षक अपनी पूरी क्षमता से काम करने की कोशिश भी करें, तो वे इसमें कितने सफल होंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। रिपोर्ट में अंत में दस सुझाव भी दिए गए हैं जिनके जरिए देश में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। इनमें सबसे अहम है पूर्वोत्तर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना और उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

कुल मिलाकर, स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करना, सरकारी क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा स्कूल खोलना ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चे फीस आदि के कारण शिक्षा से वंचित न रहें और शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करना यानी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने की दिशा में कुछ अहम कदम हो सकते हैं। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश की सरकार यह सब करने के लिए तैयार है। दरअसल, सभी संकेत यही बताते हैं कि सत्ताधारियों के बीच सभी स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा को कमजोर करने की एक सोची-समझी योजना चल रही है। हमें एक संगठन के रूप में इसे रोकने के लिए कमर कसनी होगी।

तेज व मौत की रफ्तार: सड़कों पर बढ़ते हादसे व हमारी जिम्मेदारियां

भारत विकास के रास्ते पर तेज़ी से दौड़ रहा है। नए एक्सप्रेस-वे, चौड़ी सड़कों और चमचमाते हाइवे पर फर्राटे भरते वाहन आधुनिक भारत की पहचान बन चुके हैं। लेकिन इस रफ्तार की एक और सच्चाई है—मौत। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से जून 2025 के बीच केवल राष्ट्रीय राजमार्गों पर ही 26,770 लोगों की जान जा चुकी है। ये आंकड़े सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि हर मौत के पीछे एक परिवार की बर्बादी, एक सपने का अंत और एक समाज की चूक को दर्शाते हैं।

कहाँ चूक हो रही है?

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि हर साल सड़क दुर्घटनाओं पर एक रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि साल दर साल सड़क हादसे थमने की बजाय बढ़ते जा रहे हैं। 2023 में 53,372 और 2024 में 52,609 मौतें हुईं। यही नहीं, एक्सप्रेस-वे जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर, जिन पर सुरक्षित सफर का दावा किया जाता है, वहां भी हादसे घटने के बजाय बढ़े हैं।

कारण क्या हैं?

तेज रफ्तार-हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर ओवरस्पीडिंग आम है। वाहन चालक रफ्तार पर काबू नहीं रख पाते और अचानक सामने आए जानवर, वाहन या पैदल यात्री को देखकर ब्रेक लगाना असंभव हो जाता है।

शराब पीकर गाड़ी चलाना-नशे में वाहन चलाना आज भी बड़े पैमाने पर हादसों का कारण बना हुआ है। चिंता की बात ये है कि हर 5 किलोमीटर पर 3 शराब दुकानें मिलती हैं, और ये आकंड़ा सिर्फ राजमार्गों का है।

ग्रामीण सड़कों पर बेकाबू ट्रैफिक-प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांव-गांव सड़कें पहुंची हैं, लेकिन उन पर वाहनों की बाढ़ और ट्रैफिक नियंत्रण की गैरमौजूदगी ने हादसों की नई जमीन तैयार कर दी है।

नाबालिग और अनुभवहीन चालक-छोटे शहरों और गांवों में नियमों की अनदेखी करते हुए नाबालिग बाइकर्स सड़क पर बेलगाम नजर आते हैं। वहीं अनुभवहीन या वृद्ध चालक भी बिना किसी जांच के वाहन चलाते रहते हैं।

लॉबी का दबाव-कार और दोपहिया निर्माता कंपनियों की लॉबी इतनी मजबूत है कि वाहन उत्पादन पर लगाम लगाना नामुमकिन बन गया है। सड़कों पर वाहनों की संख्या क्षमता से कहीं ज्यादा हो चुकी है।

समस्या का असर

भारत में हर साल सड़क हादसों में करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं, और 4-5 लाख लोग घायल होते हैं, जिनमें अधिकांश युवा होते हैं। इसका सीधा असर देश की मानव संसाधन क्षमता, आर्थिक स्थिरता और पारिवारिक संरचना पर पड़ता है। पीड़ित परिवार पर औसतन 5 लाख रुपए का आर्थिक बोझ पड़ता है, जिसकी भरपाई कई बार सालों तक नहीं हो पाती।

क्या है समाधान?

सख्त कानून और सख्ती से पालन-जापान, अमेरिका, सिंगापुर जैसे देशों की यातायात आचार संहिता से सीख लेकर भारत को एक यूनिवर्सल रोड एथिक्स कोड अपनाना चाहिए।

शराब बिक्री पर नियंत्रण-राजमार्गों और ग्रामीण इलाकों में शराब की उपलब्धता पर सख्त पाबंदी लगानी होगी।

वाहन संख्या पर सीमा-देश में वाहन उत्पादन और रजिस्ट्रेशन पर नियंत्रण लाना जरूरी है, वरना सड़कें दम तोड़ देंगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर से ज्यादा अनुशासन जरूरी-हाईवे की चमक से ज्यादा जरूरत है उस पर चलने वालों में संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी की।

पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की सुरक्षा-स्मार्ट सिटी के नाम पर सड़कों से इनका सफाया करना समाधान नहीं है। हर सड़क पर इनकी जगह सुनिश्चित होनी चाहिए।

आज सड़कों पर जो हो रहा है, वो कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि नीतियों, आदतों और व्यवस्था की लापरवाही का नतीजा है। अगर अब भी हम नहीं चेते, तो रफ्तार की ये होड़ हमें कब्र की तरफ धकेल देगी। जरूरत है सामूहिक संकल्प की-सरकार, समाज और नागरिकों को मिलकर तय करना होगा कि हमें रफ्तार चाहिए या जीवन। क्योंकि जिंदगी एक ही बार मिलती है, मंज़िल देर से मिले तो भी चलेगा, बशर्ते हम वहां तक जिंदा पहुंचें।

रिश्ता तोड़ने आमादा दंपति

सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में कहा है कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इसका सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है। इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है। पीठ ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें कहा है, दंपति के दरम्यान गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है, इसका प्रयोग न्यायिक कार्रवाई में नहीं किया जा सकता।

पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखते हुए कहा, वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान लिया जा सकता है। यह मामला बठिंडा की कुटुंब अदालत के फैसले पर आधारित है, जिसमें पति को फोन कॉल वाली सीडी का सहारा लेने की अनुमति दी गई थी।

पत्नी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसका तर्क था कि यह रिकॉर्डिंग उसकी सहमति या जानकारी के बगैर थी, जो निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अदालत द्वारा इसे कानूनी रूप से अनुचित भी ठहराया गया। मगर सबसे बड़ी अदालत ने माना कि जब विवाह ऐसे स्तर पा पहुंच गया है, जहां दंपति एक-दूसरे की सक्रियता पर नजर रख रहे हों। यह अपने-आपमें रिश्ता तोड़ने का लक्षण है।

हालांकि पीठ ने स्वीकारा कि इस तरह के साक्ष्यों को अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ सकता है। देश में तलाक बेहद जटिल प्रक्रिया है। न्यायिक झंझटों, आरोपों-प्रत्यारोंपो, साक्ष्यों सरीखी दिक्कतों के चलते कई दफा दंपति आपसी सहमति से अलग तो जाते हैं मगर तलाक नहीं लेते। हालांकि सच तो यह भी है कि अभी भी अपने समाज में न्यूनतम संबंध विच्छेद होते हैं। जो धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं।

अंतिम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में केवल चौदह लाख लोग तलाकशुदा है। यहां बुरी से बुरी शादी भी सामाजिक/पारिवारिक दबाव में चलाई जाती रहती है। बेहद नाजुक संबंध होने के बावजूद विवाह परिवार का मुख्य केंद्र है। मगर वैवाहिक जीवन में दरारें, मन-मुटाव, संदेह, छल या विवाहेतर संबंधों की अनदेखी कई बार मुश्किल हो जाती है। तलाक के निमयों को काफी आसान बनाए जाने के बावजूद अड़चने कम नहीं की जा सकीं हैं। रिश्ता तोड़ने को आमादा दंपति को बेशक एक मौका देना चाहिए। मगर यदि वे साथ रहने को ही राजी नहीं तो किसी भी अदालत, समाज या परिवार को उन्हें जबरन एक-दूसरे पर थोपने को बाध्य नहीं करना चाहिए।

शोध अध्ययन भी बता रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण पर विपक्षी दलों की ओर से सवाल न ही उठता तो हैरत होती। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के इस संदर्भ में दिए गए आदेश में बार-बार बदलाव किया है,लेकिन विपक्षी खेमे की ओर से इस पुनरीक्षण पर सवाल उठने की वजह उनकी आशंका है। उन्हें लगता है कि इस पुनरीक्षण के बहाने उनके वोट बैंक को सत्ता पक्ष यानी बीजेपी और जेडीयू के इशारे पर चुनाव आयोग काट देगा। उनकी आशंका पर चर्चा से पहले एक हालिया शोध का भी जिक्र किया जाना जरूरी है, जिसके अनुसार बिहार में करीब 77 लाख फर्जी वोटर हैं। ये वोटर अल्पसंख्यक वर्ग वाले सिर्फविदेशी घुसपैठिये ही नहीं है, बल्कि इसमें मृत और अपनी रिहायश छोड़ चुके मतदाता भी हैं।

डेमोग्रॉफिक रिकंस्ट्रक्शन एंड इलेक्टोरल रोल इन्फ्लेशन, एस्टीमेटिंग दी लेजिटिमेट वोटर बेस इन बिहार, इंडिया नाम शोध अध्ययन के मुताबिक बिहार की मतदाता सूची में ही ऐसी गड़बड़ियां नहीं है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसी गड़बड़ियां बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश की मतदाता सूची में हो सकती है। इस शोध अध्ययन को मुंबई के एसपी जैन इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर विधु शेखर और और आईआईएम, विशाखापत्तनम के असिस्टेंट प्रोफेसर मिलन कुमार ने मिल कर किया है। एसएसआरएन में प्रकाशित यह अध्ययन किसी अनुमान पर नहीं, बल्कि सरकारी आंकड़ों, मसलन राज्य की जन्म और मृत्यु दर के साथ ही राज्य से हुए पलायन और आयु प्रत्याशा के सरकारी आंकड़ों के गहन अध्ययन और विश्लेषण पर आधारित है।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन के मुताबिक, बिहार में इस समय करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है। इस अध्ययन के मुताबिक, इनमें से करीब 77 हजार नाम फर्जी हैं। यानी ये मतदाता या तो मर चुके हैं या बरसों पहले से अपनी बताई या दर्ज जगह से पलायन करके कहीं और जा बसे हैं। फर्जी या गलत मतदाताओं का यह आंकड़ा करीब 9.7 प्रतिशत होता है। इसका मतलब यह हुआ कि करीब दस प्रतिशत मतदाता ज्यादा हैं या असल में हैं ही नहीं। विधु शेखर और मिलन कुमार अपने शोध के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि राज्य की हर विधानसभा सीट पर करीब तीस हजार मतदाताओं का नाम गलत तरीके से दर्ज है।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। विधु शेखर और मिलन कुमार को आशंका है कि अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

इस अध्ययन के अनुसार, बिहार के गांवों में जहां मृत्यु के आंकड़े अपडेट ना होने की वजह से फर्जी नाम ज्यादा हैं, वहीं शहरी इलाकों में पलायन के बावजूद नाम काटे नहीं गए हैं। राज्य में पिछली बार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। उस समय राज्य में करीब तीन करोड़ 41 लाख मतदाता थे। राज्य की मौजूदा जन्म और मृत्यु दर के हिसाब से इसके बाद 4.83 जुड़ने चाहिए थे। इसके साथ ही सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन वर्षों में राज्य से करीब एक करोड़ 12 लाख वोटरों ने पलायन किया है। उन्होंने अपना स्थायी ठिकाना राज्य से बाहर बना लिया है। इसे दिल्ली, मुंबई, पंजाब जैसे शहरों और राज्यों में देखा भी जा रहा है, जहां भारी संख्या में बिहारी मूल के मतदाता हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक, पुराने वोटरों, जन्म-मृत्यु दर की गणना और पलायन के बाद के आंकड़ों को मिलाकर राज्य में असल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 12 लाख के ही आसपास ही बैठती है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि राज्य में जो सतहत्तर लाख ज्यादा वोटरों के नाम हैं, वे इन वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर गड़बड़ हैं।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन को आगे बढ़ाते हुए राज्य में आधार कार्ड की उपलब्धता को भी जोड़ा जा सकता है। यह भी राज्य में फर्जी वोटरों की ओर इशारा करता है। वैसे मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड को वैध प्रमाण पत्र माना जाता है। लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारी संख्या में फर्जी राशन कार्ड हो सकते हैं या आधार कार्ड भी बन सकते हैं। राज्य के सीमांचल के जिले मसलन अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जिलों में मुस्लिम आबादी करीब 39 से लेकर 68 प्रतिशत तक है,लेकिन इनकी सीमाएं पश्चिम बंगाल और नेपाल से जुड़ी हैं। पश्चिम बंगाल के सीमांचल के नजदीकी जिले बांग्लादेश से सटे हैं। इसकी वजह से इस इलाके में घुसपैठ का भी आरोप लगता रहा है। बिहार सरकार द्वारा जाति-आधारित सर्वेक्षण के दौरान एकत्र किए गए आधिकारिक आंकड़ों पर नजर डालें तो इस आरोप में दम नजर आता है। इस आंकड़े के मुताबिक, राज्य का औसत आधार कवरेज लगभग 94 प्रतिशत है, जबकि 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले किशनगंज में कुल जनसंख्या से करीब 105.16 प्रतिशत आधार है। इसी तरह, कटिहार में 45 प्रतिशत और अररिया में 50 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन यहां आधार कुल जनसंख्या का करीब 101.92 और 102.23 प्रतिशत ज्यादा है। सीमांचल के ही जिले पूर्णिया में 39 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन यहां आधार कुल जनसंख्या का 101 प्रतिशत है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि सीमांचल हर 100 निवासी पर 120 से अधिक आधार कार्ड हैं। यही वजह है कि चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में इन जिलों में मतदाता सूची में नाम के सत्यापन के लिए आधार कार्ड को अनिवार्य नहीं माना है।

संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत मिले अधिकारों के तहत चुनाव आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद और विधान मंडलों का चुनाव कराता है। इसके लिए उसे जन प्रतिनिधित्व कानून 1951 के तहत मतदाता सूची बनाने और उसे अद्यतन करने का अधिकार मिला है। स्वच्छ लोकतंत्र के लिए जरूरी स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची है। चुनाव आयोग का यह वैधानिक दायित्व है कि फर्जी वोटरों को मतदाता सूची से बाहर करे। लेकिन आज की राजनीति अपने वोटरों को साधने तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि अपने प्रतिबद्ध वोटरों की रक्षा करने की हो गई है। बिहार में माना जाता है कि एम वाई समीकरण यानी मुस्लिम और यादव वोटर राष्ट्रीय जनता दल का समर्थक है। विपक्षी दलों को आशंका है कि बीजेपी के इशारे पर उसके इन्हीं वोटरों को काटा जा सकता है। चुनाव आयोग के प्रमुख के रूप टीएन शेषन और केजे राव जैसे अधिकारियों के आने के पहले तक राज्य में बूथ लूट की घटनाएं खुलेआम होती थीं। अब तो खैर वैसा नहीं होता, लेकिन फर्जी वोटरों के नाम पर कुछ भी हो सकता है। दबंग उम्मीदवार चाहे तो अपने पक्ष में फर्जी या मृत वोटरों के नाम पर मतदान कराकर अपने पक्ष में नतीजे मोड़ सकते हैं। विधु शेखर और मिलन कुमार का शोध अध्ययन, राज्य के आधार कार्ड के अत्यधिक उपलब्धता के आंकड़े कुछ ऐसे तथ्य हैं, जिनके आलोक में राज्य में जारी गहन पुनरीक्षण को चुनाव आयोग अपने पक्ष में तर्क के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। इन संदर्भों में विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में उतरे राजनीतिक दलों के लिए ज्यादा तर्क-वितर्क की गुंजाइश शायद ही रह पाएगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

आरसीएल में शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आरसीएल विभाग में कार्यरत कर्मचारियों हेतु एम एंड यू-मानव संसाधन द्वारा कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (आरसीएल) राहुल श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में एम एंड यू सभागार में किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले 06 कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में माह अक्टूबर 2024, नवम्बर 2024, दिसम्बर 2024, जनवरी 2025, फरवरी 2025 एवं मार्च 2025 के लिए क्रमश: निर्मला बाई, मो. हनीफ प्रीती रावत, संतोष कुमार पटनायक, राजरत्नम देवांगन एवं श्री राकेश कुमार पुष्पकर को को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, कार्मिक के जीवनसाथी हेतु प्रशंसा पत्र और मिठाई का कुपन प्रदान कर सम्मानित किया एवं पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राहुल श्रीवास्तव ने उत्तम कार्य प्रदर्शन हेतु सभी पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी और आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा भिलाई इस्पात संयंत्र को ऊँचाइयों तक पहुंचाने में हमारे कार्मिकों का अमूल्य योगदान है। यदि वे अपने कार्यस्थल पर खुशहाल व सुरक्षित माहौल में पूर्ण लगन एवं समर्पण के साथ कार्य करें, तो इसका सीधा सकारात्मक प्रभाव संयंत्र की उत्पादकता और गुणवत्ता पर पड़ता है। उन्होंने अनुभाग प्रमुखों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने अधीनस्थ कार्मिकों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुरस्कार विजेताओं को बधाईयां दी।

कुसुम सिन्हा को देश के सर्वोच्च स्काउट-गाइड सम्मान 'राष्ट्रपति गाइड प्रमाणपत्र' मिला

दुर्ग की बेटी कुसुम सिन्हा ने बढ़ाया शहर और राज्य का मान, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग नगर की प्रतिभावान बेटी कुसुम सिन्हा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि लगन, मेहनत और मार्गदर्शन के साथ कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। देश के सर्वोच्च स्काउट-गाइड सम्मान 'राष्ट्रपति गाइड प्रमाणपत्र' को प्राप्त कर कुसुम ने न केवल अपने परिवार, विद्यालय और नगर का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का भी गौरव बढ़ाया।

22 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-गोदावरी हॉल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देशभर से चयनित सीमित स्काउट-गाइड प्रतिभाओं को राष्ट्रपति प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ से चुनी गई केवल तीन प्रतिभाओं में से एक रहीं दुर्ग की कुसुम सिन्हा।

गयानगर, वार्ड क्रमांक 04 निवासी कुसुम सिन्हा ने वर्ष 2018 में स्काउट गाइड के राष्ट्रपति अवॉर्ड के लिए आवेदन किया था। इसके बाद उन्होंने चरणबद्ध तरीके से सभी आवश्यक ट्रेनिंग, सामाजिक सेवा गतिविधियाँ, शिविर, प्रैक्टिकल परीक्षाएं, और मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरे किए। उनके उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन और सेवा भावना के चलते उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ।यह सम्मान उन प्रतिभागियों को प्रदान किया गया, जिन्होंने 2018, 2019, 2020 और 2021 के चार बैचों की संयुक्त राष्ट्रीय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त की। इस परीक्षा में कुल 480 प्रतिभागियों ने उत्तीर्णता प्राप्त की, जिनमें से हर वर्ष की प्रत्येक श्रेणी (स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर) से एक-एक चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागी, कुल 16 श्रेष्ठ प्रतिभागियों को राष्ट्र स्तर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कुसुम के पिता रामखिलावन सिन्हा और माता देवकी सिन्हा ने हमेशा उन्हें प्रोत्साहित किया। उनके साथ-साथ शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दुर्ग की प्राचार्य डॉ. कृष्णा अग्रवाल और यूनिट लीडर श्रीमती देविका रानी वर्मा (सेवानिवृत्त शिक्षिका) ने उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अभूतपूर्व सफलता पर दुर्ग नगर निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कुसुम सिन्हा के निवास पर पहुँचकर उन्हें शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उनके साथ एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर और पार्षद/एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन भी मौजूद रहीं। कुसुम की यह उपलब्धि केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम की कहानी नहीं है, यह दुर्ग शहर की सामूहिक प्रेरणा और हमारी बेटियों की क्षमताओं का प्रमाण है। एक सामान्य परिवार से निकलकर, इतने कठिन प्रशिक्षण और चयन प्रक्रिया को पार करते हुए राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है। कुसुम ने यह साबित किया है कि यदि नीयत और मेहनत सच्ची हो तो सफलता निश्चित है। नगर निगम परिवार की ओर से मैं उन्हें ढेरों शुभकामनाएँ देती हूँ। कुसुम सिन्हा की यह उपलब्धि न केवल उनके समर्पण की मिसाल है, बल्कि शहर की अन्य बालिकाओं और युवाओं को प्रेरित करने वाला उदाहरण भी है। स्काउट गाइड जैसी रचनात्मक और सेवा-प्रधान गतिविधियों में भाग लेकर बच्चों को अनुशासन, नेतृत्व और सेवा का पाठ मिलता है.और कुसुम ने इस यात्रा को सफलता के चरम तक पहुँचाया।

शिव महापुराण कथा की तैयारियां अंतिम चरण में, कलेक्टर व एसएसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जयंती स्टेडियम भिलाई में आगामी 30 जुलाई से 5 अगस्त तक भव्य महा शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन होने वाला है। विश्व विख्यात पंडित प्रदीप मिश्रा महाराज का पावन चरण एक बार फिर भिलाई की पावन धरा पर पड़ने वाली है। जिसकी तैयारियां पूरे जोरों पर हैं। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रविवार दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह जी एवं एसएसपी विजय अग्रवाल ने रविवार को कथा स्थल का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

कथा के मुख्य आयोजक व उप नेता प्रतिपक्ष भिलाई दया सिंह के साथ कलेक्टर ने पूरे पंडाल का निरीक्षण किया। उन्होंने बैठने की व्यवस्थाएं, सुरक्षा, साफ-सफाई, बारिश से बचाव की योजनाएं, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट जैसी सुविधाओं की बारीकी से जानकारी ली। पंडाल में घूमकर उन्होंने स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके पश्चात आयोजन स्थल पर बने कार्यालय में बैठकर कथा के शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और भव्य आयोजन को लेकर लंबी चर्चा की गई। सभी विभागों के समन्वय से योजना तैयार की जा रही है ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो।

इस अवसर पर आयोजक दया सिंह ने कलेक्टर एवं एसएसपी को संपूर्ण रूपरेखा की जानकारी दी और बताया कि इस कथा में छत्तीसगढ़ सहित देशभर से श्रद्धालु और संत महात्मा पधारने वाले हैं। बड़े बड़े विविआईपी आने वाले है. प्रदेश के मुख्यमंत्री भी अपने परिवार सहित पधारेंगे, उनके अलावा कई मंत्रीगण और उनकी पूरी परिवार के भी आगमन की संभावना है।

इस लिए यहाँ की व्यवस्था को और बेहतर बनाने प्रशासन भी जुटा हुआ है। कथा को ऐतिहासिक, अनुशासित और भक्तिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में प्रशासन और आयोजन बोल बम समिति सक्रिय सदस्य समर्पित भाव से जुटी हुई है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 149वीं तिमाही समीक्षा (ई) बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 148वीं तिमाही समीक्षा (ई) बैठक 25 जुलाई 2025 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई इस्पात संयंत्र, पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समस्त कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक सौमिक डे, उप महाप्रबंधक, कार्यपालक निदेशक राजीव कुमार तथा संयंत्र के सभी विभाग प्रमुखगण माननीय सदस्य के रूप में ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित थे।

कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), पवन कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी में पत्राचार के लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। हमें शत-प्रतिशत कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने का लक्ष्य प्राप्त करना है। इस दिशा में छोटे-छोटे प्रयासों से ही सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि, सितंबर माह में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक प्रतिभागिता सुनिश्चित करें और हिंदी पखवाड़ा को सफल बनाएँ। बैठक के आरंभ में महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी ने पुस्तक भेंट कर कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर का स्वागत किया।

आंध्र स्वाभिमान एसोसिएशन की आवश्यक बैठक संपन्न नव निर्वाचित पदाधिकारियों का किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आंध्र स्वाभिमान एसोसिएशन की आवश्यक बैठक रविवार 27 जुलाई 2025 शाम 4.00 बजे आंबेडकर पार्क सेक्टर 1 भिलाई में सम्पन्न हुआ। पूर्व अध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी के. उमाशंकर राव द्वारा नव निर्वाचित समिति के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई। आय-व्यय का संपूर्ण जानकारी पूर्व कोषाधिकारी एम. ईश्वर राव द्वारा दी गई। उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नव निर्वाचित पदाधिकारीयो को हार्दिक बधाइयां दी। चुनाव अधिकारी द्वारा चुनावी कार्य के आय-व्यय की सम्पूर्ण जानकारी दी।

बैठक में मुख्य रूप से नव निर्वाचित अध्यक्ष ए दुर्योधन राव, महासचिव के प्रसाद राव, कोषाधिकारी एम ईश्वर राव, उपाध्यक्ष एम वेंकट राव, उप महासचिव पी जगदीश राव, कार्य समिति सदस्य डी शंकर राव, सी एच अप्पलस्वामी, के शिवकुमार रायुडू , जे श्रीनिवास राव ने एसोसिएशन के द्वारा जन उपयोगी तथा सेवा कार्य करने के संकल्प लिया गया। सम्माननीय वरिष्ठ सदस्य वी सुर्यनारायण, के पापा राव, यू लक्ष्मण मूर्ति, पी चंद्रशेखर, डी राजू , ए जगन्नाथ, एम कृष्णा एवं गणमान्य सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सामाजिक सेवा भावना से निरन्तर जनहित कार्य करने का संकल्प लिया गया।

न्यायमूर्ति द्वारा किया गया जिला न्यायालय दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण न्यायिक व्यवस्था की गुणवत्ता पर किया संतोष व्यक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधिपति पी.पी. साहू पोर्टफोलियो जज जिला दुर्ग के द्वारा 26 जुलाई 2025 को जिला न्यायालय दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के पूर्व सर्किट हाउस में जिला न्यायालय दुर्ग के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पोर्टफोलियो जज की आगवानी की गयी। उक्त भेंट में पोर्टफोलियो जज द्वारा जिले के कलेक्टर से नवीन न्यायालय भवन के संबंध में भूमि आबंटन तथा न्यायाधीशों के आवास हेतु भूमि आबंटन के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी।

तदोपरांत पोर्टफोलियो जज का न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं तथा न्यायिक कर्मचारियों ने आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात पोर्टफोलियो जज के द्वारा न्यायिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की गयी, जिसमें वर्तमान में जारी स्पेशल मीडिएशन ड्राइव मध्यस्थता राष्ट्र के लिए तथा आगामी नेशनल लोक अदालत को लेकर भी चर्चा की गई। तत्पश्चात पोर्टफोलियो जज के द्वारा विभिन्न न्यायालयों, डिजिटाइजेशन सेंटर, परिवार न्यायालय, विशेष न्यायालय, किलकारी कक्ष, नवीन सभागार, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, अधिवक्ता कक्ष एवं ज्यूडिशल सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान माननीय न्यायमूर्ति ने न्यायालय की कार्यप्रणाली, लंबित मामलों की स्थिति, न्यायिक अधिकारियों के कार्य निष्पादन तथा न्यायालय परिसर की भौतिक संरचना का सूक्ष्म अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान पोर्टफोलियो जज के द्वारा अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को किसी भी प्रकार से होने वाली असुविधा के निवारण हेतु संबंधित लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण को यथासंभव शीघ्र अधोसंरचना से संबंधित कार्य नियमानुसार पूर्ण करने तथा बेहतर सुविधा व त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के पश्चात पोर्टफोलियो जज के द्वारा अधिवक्ताओं के कार्यालय में जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण तथा अधिवक्तागण से भेंट कर कुशलक्षेम जाना एवं उनकी मूलभूत समस्याएं सुन कर नियमानुसार निराकरण का आश्वासन दिया गया। तत्पश्चात जिले के न्यायिक कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा पोर्टफोलियो जज से सौजन्य भेंट कर उनका हृदय से स्वागत कर उनके आगमन के प्रति आभार प्रकट किया गया। पोर्टफोलियो जज के द्वारा न्यायिक कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की मूलभूत समस्याएं सुन कर नियमानुसार निराकरण का आश्वासन दिया गया।

निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रार विजिलेंस मंसूर अहमद, जिला न्यायालय दुर्ग के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष, सचिव, अन्य पदाधिकारीगण व सदस्य अधिवक्तागण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग एवं प्रशासनिक अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हर आंगन एक पेड़ व हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कला एवं संस्कृति व पर्यावरण के प्रति समर्पित संस्था आर्टकाम कि टीम प्रात: वृक्षारोपण हेतु चौहान टाऊन पहुंची , इस दौरान सर्वोदय रेसीडेंसीयल सोसायटी चौहान टाऊन के विशेष आग्रह पर सिंदूर, सोन पत्ता पेड़,अमरूद, आम , कटहल, जामुन जैसे छाएदार एवं फलदार दोनों तरह के पौधे रोपे गए। आर्टकॉम कि तरफसे संस्थापक निशु पांडे ने वृक्षारोपण एवं वाटर हार्वेस्टिंग से होने वाले फायदे के बारे में सभी उपस्थित जनों को विस्तार से बताया।

और भिलाई के इस सबसे बड़ी सोसाइटी के चार हजार लोगों से आह्वान किया कि हमारा अभियान हमारा अभिमान हर आँगन एक पेड़ व हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग कुछ लोगों तक सिमित न हो अत: जन जागरूकता हेतू इस अभियान का क्रियान्वयन हर घर में हो ताकि हमें शुद्ध प्रणवायु प्राप्त हो और घटती जल स्तर कि समस्या का निवारण भी सहजता से किया जा सके। अभियान के भिलाई अध्यक्ष गुरनाम सिंह नें आर्टकॉम के इस अभियान को लघु भारत हीं नहीं संपूर्ण देश के लिए अति आवश्यक बताया।

भिलाई के चौहान टाऊन के प्रेसिडेंट श्रीमती सागरिका पाढ़ी ने आर्टकॉम हर आंगन एक पेड़ के टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी रहवासियों को आज बेहद अच्छा महसूस हो रहा है कि हम सभी मिलकर ऐसे पौधों का रोपण कर रहे है जिससे आने वाली पीढ़ी को इसका फायदा मिलते रहेगा, साथ ही साथ इससे भूमि जल स्तर भी निश्चित तौर पर बढ़ेगा , जो बेहद आवश्यक है उन्होंने खासकर चौहान टाऊन के उन बुजुर्गों एवं देवतुल्य नागरिकों कि इस ड्राइव में बढ़चढकर हिस्सा लेने हेतु आभार व्यक्त किया और इस वर्ष कि तरह प्रति वर्ष वृक्षारोपण हेतु आर्टकॉम कि टीम से आग्रह किया। हम आपको बता दे कि हमारी टीम के द्वारा लगातार वृक्षारोपण के साथ साथ ऐसे बड़े कालोनियों वार्डो में लोगों को जल संरक्षण हेतु वाटर हार्वेस्टिंग हेतु भी प्रेरित किया जा रहा है और जानकर खुशी की बात यह हुई है कि इस चौहान टाऊन में ग्यारह जगहों पर वाटर हार्वेस्टिंग किया गया है। अभियान के मीडिया सलाहकार अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा आज के वृहद वृक्षारोपण ड्राइव को सफल बनाने हेतु चौहान टाऊन के अध्यक्ष सागरिका पाढ़ी एवं रहवासियों तथा आर्टकॉम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया ! इस कार्यक्रम में चौहान टाऊन से अध्यक्ष सागरिका पाढ़ी, सुरेन्द्र यादव, संदीप सबरवाल,दीपा बछावत,मुकेश, प्रीतीश गुहा, ललित, योगेश त्रिवेदी, श्यामल कारकून, सरिता बिसोई, पल्लवी, अल्का दिया, हाय दी, मिली राय, नामदेव जी , पी एन खरे, आर पी सिंह, एवं दत्ता गुप्ता उपस्थित थे एवं आर्टकॉम हर आंगन एक पेड़ कि ओर से करमजीत सिंह , आर के श्रीवास्तव, शारदा गुप्ता जी ,निशु पांडे, मेघा कौर, गुरुनाम सिंह, अमिताभ भट्टाचार्य,रविंद्र देवांगन,भास्कर तिवारी, श्रीनिवास मिश्रा, नीलकमल सोनी,शिव शंकर यादव, श्री राम आदि उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सीमा ओझा बनी सावन सुंदरी

रायपुर। सरयू आराधना महिला मंडल के द्वारा सावन उत्सव का आयोजन गत दिवस होटल सुधा रेजिडेंसी स्टेशन रोड में किया गया । उक्त आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सावन सुंदरी का खिताब सीमा ओझा को दिया गया। इसी क्रम में गायन में इंदिरा पांडेय, सुजाता शुक्ला, सीमा ओझा, नव्या ओझा नृत्य में राजकुमारी मिश्रा रौनक त्रिपाठी फैंसी ड्रेस में रेणुका शुक्ला ज्योति त्रिपाठी, सावन श्रृंगार में सीमा ओझा को विशिष्ट रूप से पुरस्कृत किया गया ।

कार्यक्रम को अध्यक्ष लता शुक्ला उपाध्यक्ष रागिनी पांडे, मंजू तिवारी, सचिव राधा द्विवेदी सहसचिव अन्नपूर्णा तिवारी ने संबोधित किया एवं विशिष्ट अतिथि कामना चौबे सुचिता मिश्रा निर्णायक मंडल का नेतृत्व किए अंत में अध्यक्ष श्रीमति लता शुक्ला ने धन्यवाद दिया एवं रात्रि भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ उक्त अवसर पर सुधा शुक्ला, इंदिरा पांडेय, नव्या ओझा, अदिति पांडेय नीतू पांडेय आदि काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

डाकघरों में 2 अगस्त को नहीं होगा लेन-देन

रायपुर-बिलासपुर। डाक विभाग अब डाक सेवाओं को ज्यादा स्मार्ट और आधुनिक बनाने जा रहा है। इसी दिशा में अगली पीढ़ी की एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी नाम की नई डिजिटल प्रणाली जल्द शुरू की जा रही है। बिलासपुर डाक संभाग के सभी डाकघरों में यह नई प्रणाली 4 अगस्त से लागू होगी। इस बदलाव की तैयारी के लिए 2 अगस्त को सभी डाकघरों में लेन-देन बंद रहेगा।

हालांकि इस दिन रेल डाक सेवा में बुकिंग का काम पहले की तरह चलता रहेगा, लेकिन आम जनता से जुड़ा बाकी लेन-देन नहीं हो सकेगा। डाक विभाग ने बताया कि इस दौरान डेटा माइग्रेशन, सिस्टम की जांच और जरूरी सेटिंग्स की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि नई व्यवस्था बिना किसी दिक्कत के शुरू की जा सके। एपीटी प्रणाली को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ग्राहकों को तेज, आसान और बेहतर सेवा अनुभव मिले। बिलासपुर डाक अधीक्षक विनय प्रसाद ने लोगों से अपील की है कि इस एक दिन की असुविधा में डाक विभाग का सहयोग करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस नई व्यवस्था से डाक सेवाएं और भी तेज और डिजिटल रूप से मजबूत होंगी।

महापौर ने दिए जलभराव वाले घरों में लंच पैकेट उपलब्ध करवाने निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने विगत रात्रि लगातार बारिश होने से जलभराव की समस्या का जोन 5 और जोन 6 क्षेत्र में कुकरीपारा, प्रोफेसर कॉलोनी, परशुराम नगर सहित अन्य निचले क्षेत्रों में महामाया मन्दिर वार्ड पार्षद जयश्री नायक और पण्डित वामनराव लाखे वार्ड पार्षद बब्बी सोनकर, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव और सम्बंधित जोन अधिकारियों सहित जलभराव की समस्या से सम्बंधित क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने जोन 5 और जोन 6 जोन कमिश्नरों को जलभराव की समस्या से घरों में हुए जल भराव से त्वरित राहत सम्बंधित परिवारजनों को दिलवाने तत्काल पम्प लगाकर घर में भरा जलभराव का पानी पम्प से खींचकर बाहर फेंकवाना और लोगों को त्वरित राहत दिलवाना सुनिश्चित करवाने और साथ ही जल का भराव वाले घरों में परिवारजनों को तत्काल लंच पैकेट उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए. महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम जोन 5 और जोन 6 के अधिकारियों को साथ में बैठक और जलभराव क्षेत्रों का शीघ्र सर्वे करते हुए जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नए नाले का शीघ्र निर्माण करवाने प्रस्ताव भेजने और सम्बंधित जलभराव क्षेत्रों में मानसून के दौरान विशेष सतर्कता और सजगता बनाये रखकर सफाई व्यवस्था लगातार अच्छी रखकर सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश सम्बंधित जोन कमिश्नरों को दिए हैं।

महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों और जोनों में लगातार बारिश के दौरान हुए जलभराव की स्थिति की जानकारी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों से लेकर शहर में लगातार अच्छी सफाई व्यवस्था कायम करने सतत मॉनिटरिंग कर सफाई सम्बंधित जनशिकायतों का जोन के स्तर पर वार्ड पार्षदों से समन्वय रखकर यथासम्भव त्वरित निदान प्राथमिकता से किया जाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

राजधानी में नगर निगम रायपुर की आवारा पशु पकड़ो अभियान जारी, फिर भी सड़कों पर गौवंश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा शहर को आवारा पशुओं से मुक्त करने का अभियान इन दिनों जोरों पर है। महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर तथा आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम के सभी जोन कार्यालयों की टीमों ने शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर लगातार मॉनिटरिंग अभियान चलाकर आवारा मवेशियों की धरपकड़ कर उन्हें गौठानों में भेजने की कार्यवाही तेज कर दी है। नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को अलग-अलग जोनों में कुल 22 आवारा पशुओं को पकड़ा गया। निगम के काऊकैचर वाहनों की मदद से उन्हें गोकुल नगर सहित विभिन्न गौठानों में भेजा गया।

जोन 1 में मौल श्री विहार मार्ग से 1 आवारा पशु पकड़ा गया। जोन 3 अंतर्गत डुमरतराई मुख्य मार्ग से 4 मवेशियों की धरपकड़ कर उन्हें गौठान में स्थानांतरित किया गया। जोन 6 क्षेत्र के भाठागांव नए मार्ग में सबसे अधिक 13 आवारा पशु पकड़े गए। जोन 4 क्षेत्र के वार्ड 57 (महिला थाना के पास), वार्ड 34 (शहीद भगत सिंह चौक) और वार्ड 46 (पुलिस लाइन रोड) से क्रमशः 1-1 मवेशियों को पकड़ा गया।

नगर निगम प्रशासन का कहना है कि यह अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा और इसके अंतर्गत नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने मवेशियों को खुला न छोड़ें। यदि ऐसा करते हुए कोई पाया गया तो उस पर जुर्माना और पशु जब्ती की कार्यवाही की जाएगी। निगम अधिकारियों का कहना है कि आवारा पशुओं के कारण ट्रैफिक जाम, सड़क हादसे, साफ-सफाई में अवरोध और नागरिकों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न होता है, जिसे रोकना प्राथमिकता है।

हालांकि नगर निगम द्वारा की जा रही इस कार्रवाई का दावा कागजों में प्रभावशाली दिखता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और बयां करती है। शहर के कई प्रमुख मार्गों जैसे तेलीबांधा चौक, फाफाडीह, मंदिर हसौद रोड, देवेन्द्र नगर, भनपुरी, टिकरापारा क्षेत्र में आज भी आवारा पशुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है। कई स्थानों पर मवेशी खुले में सड़क के बीच बैठकर ट्रैफिक को बाधित करते हैं, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि निगम की टीमें कुछ क्षेत्रों में सक्रिय तो हैं, लेकिन यह अभियान सतही और सीमित क्षेत्र में केंद्रित रह गया है। नियमित मॉनिटरिंग, रात के समय की निगरानी और ज्यादा प्रभावी पेट्रोलिंग की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

फाफाडीह क्षेत्र के निवासी रवि ठाकुर ने बताया, पिछले सप्ताह एक बाइक सवार युवक की टक्कर एक आवारा सांड से हो गई थी, जिसमें उसे गंभीर चोटें आईं। नगर निगम के दावे सिर्फ प्रेस नोट में अच्छे लगते हैं, लेकिन सच्चाई सड़कों पर बिखरी पड़ी है। इसी तरह महिला निवासी अंजलि वर्मा कहती हैं, रात के समय सबसे ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि सड़कों पर अंधेरे में मवेशी अचानक सामने आ जाते हैं और वाहन चालकों के लिए खतरा बनते हैं।

जैतू साव मठ में श्रावण झूला उत्सव प्रारंभ, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जैतू साव मठ में श्रावण झूले का शुभारंभ विधिविधान से पूजा अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर भगवान को चांदी के सिंहासन पर बिठाकर झूला तैयार किया गया है। श्रावण शुक्ल पक्ष तृतिया को श्रवण झूले का शुभारंभ शाम 4 बजे किया गया। इस अवसर पर भगवान की विधिवत पूजा अर्चना शंख, विजय घंट एवं मंगल ध्वनि के साथकी गई, स्तुति गान, आरती संपन्न होने के पश्चात सभी श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने कहा कि -जैतू साव मठ में स्थापना काल से ही श्रावण मास में सावन झूले का आयोजन किया जाता रहा है। वर्तमान में भी उसी परंपरा का निर्वाह हम सभी मिलकर कर रहे हैं। लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचकर भगवान का दर्शन पूजन करके पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। ट्रस्ट कमेटी के सदस्य अजय तिवारी ने कहा कि -श्रावण मास में भगवान झूले पर विराजित होते हैं जो भी श्रद्धालु भक्त भक्ति भाव से उनकी पूजा करता है सच्चे मन से आराधना करता है, भगवान उनकी मनोकामना को पूर्ण करते हैं।

इस अवसर पर विशेष रूप से पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, महेंद्र अग्रवाल, सुरेश शुक्ला, रमेश यदु, जगन्नाथ अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, शैल अग्रवाल, संतोषी अग्रवाल, दीपक पाठक, सुमित तिवारी, संतोषी साहू, देवकी साहू, रोहित, अहिल्या बाई, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, राजीव त्रिपाठी एवं मठ के विद्यार्थी गण तथा श्रद्धालु भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बॉर्डर में तैनात वीर जवानों के लिए 3 लाख 80 हजार रक्षासूत्र व शुभकामना संदेश भेजे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजेपी महिला मंडल द्वारा बॉर्डर में तैनात वीर जवानों के लिए 3 लाख 80 हजार रक्षासूत्र भेजे गए है। साथ में शुभकामना संदेश भी भेजे। संदेश में लिखा है कि सैनिक देश के असली हीरो हैं। उनकी निष्ठा, बहादुरी और सेवा को सलाम। हम उनके ऋणी हैं। उनकी सुरक्षा और सफलता के लिए प्रार्थना करते हैं। बीजेपी शंकर नगर मंडल के उपाध्यक्ष दिलीप धनकर ने यह जानकारी दी है।

इस दौरान बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, बीजेपी की प्रदेश महिला मंडल शालिनी राजपूत, शंकर नगर मंडल अध्यक्ष अनूप खेलकर, संजय कश्यप, सुधीर चौबे, मनीष सेन, डोमेन वर्मा, गणेश निर्मलकर, वीरमणि चौबे, कुलेश्वर धुरंधर, योगेश साहू, कुलविंदर सिंह हूंजन, मीना सेन, वंदना सेन, प्रभात मिश्रा, चंद्रप्रकाश प्रजापति, सब्बीर हुसैन, आर्यन मिश्रा, अनमोल सिन्हा, रवि कश्यप, इरशाद खान, भीम चौधरी, किशन वर्मा, राहुल खेलकर, सुरेश प्रधान, राजेश निषाद, मनोज वर्मा, शक्ति सिंह, मुकेश गोहिल, मोहन के.राय, राजू क्षत्रिय सहित कई महिला कार्यकर्ता उपस्थित रही।

जोनों में जलभरावःसमाधान के लिए नया नाला बनाने की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम जोन 5 और जोन 6 के क्षेत्र के अंतर्गत प्रोफेसर कॉलोनी, परशुराम नगर, कुकरीपारा एवं अन्य स्थानों में विगत रात्रि लगातार बारिश के बाद आई जलभराव की समस्या का व्यवहारिक तकनीकी पहलुओं पर गंभीरता के साथ विचार कर गन्दे पानी की सुगम निकासी का प्रबंधन शीघ्र जलभराव क्षेत्रों में जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा को दृष्टिगत रखकर नया नाला शीघ्र बनाने तकनीकी सर्वे कर प्रस्ताव देने के निर्देश नगर निगम जोन 5 और जोन 6 के अधिकारियों को दिए हैं।

महापौर और आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम के अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर ने जोन 6 कार्यालय पहुंचकर जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव, पण्डित वामनराव लाखे वार्ड के पार्षद बब्बी सोनकर, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, अतुल चोपड़ा, दिनेश सिन्हा, अंशुल शर्मा जूनियर, सहायक अभियंता सर्वश्री शैलेन्द्र पटेल, नागेश रामटेके, आशीष श्रीवास्तव, उप अभियंताओं की उपस्थिति में बैठक लेकर प्रोफेसर कॉलोनी, परशुराम नगर, कुकरीपारा एवं अन्य जलभराव क्षेत्रों में गन्दे पानी की सुगम निकासी हेतु तकनीकी पहलुओं पर जोन 5 और जोन 6 के सभी अभियंताओं के साथ विचार किया गया।

वार्ड पार्षद बब्बी सोनकर ने जल भराव की समस्या का समाधान शीघ्र करने के सम्बन्ध में सुझाव दिए। जलभराव की समस्या के तत्कालीन समाधान पर जोन 5 और जोन 6 के अभियंताओं ने तकनीकी दृष्टिकोण से गहन विचार किया और सम्बंधित जलभराव क्षेत्रों में गन्दे पानी के बहाव की दिशा की जानकारी लेकर समाधान की दिशा में शीघ्र कार्य करने आवश्यक विचार -विमर्श किया गया।

बैठक में इसके साथ ही रिंग रोड और अशोक लीलेण्ड आदि विभिन्न पॉइंट्स पर फोकस कर कार्य करवाकर जलभराव की समस्या का तत्कालीन समाधान करने के सम्बन्ध में आवश्यक चर्चा और विचार किया गया। अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर ने जोन कमिश्नरों और कार्यपालन अभियंताओं को महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 5 और जोन 6 के जलभराव क्षेत्रों में शीघ्र अच्छी निकास व्यवस्था कायम करने तकनीकी प्रस्ताव भौतिक सर्वे कर बनाते हुए सक्षम स्वीकृति लेने मुख्यालय में शीघ्रता से भेजे जाने कहा है, ताकि शीघ्र जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करने आवश्यक तकनीकी कार्यवाही प्राथमिकता से की जा सके।

बदहाल तस्वीरः महामाया चौक के आसपास गंदगी का अंबार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार-भाटापारा मार्ग पर स्थित सीमेंट नगरी के नाम से पहचाने जाने वाले ग्राम पंचायत रवान आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। गांव का महामाया चौक, जो शक्ति पीठ मंदिर के कारण धार्मिक रूप से भी खास महत्व रखता है, इन दिनों कचरे और गंदगी के ढेर से बदहाल हो चुका है।

ग्रामीणों का कहना है कि महामाया मंदिर परिसर और उसके आसपास का क्षेत्र पूरी तरह गंदगी की चपेट में है। असंवेदनशील लोगों द्वारा मंदिर के पास और सड़क किनारे कचरा फेंका जा रहा है, जिससे न केवल माहौल दूषित हो गया है, बल्कि वहां से गुजरना भी दूभर हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस गंभीर समस्या की जानकारी ग्राम सरपंच और वार्ड पंचों को बार-बार दिए जाने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

बरसात के मौसम में हालात और भी भयावह हो गए हैं। गंदगी से सड़कों पर फिसलन और जलजमाव की स्थिति बन गई है। नालियों की सफाई न होने से पानी का बहाव रुक गया है,

जिससे गंदा पानी घरों में घुस रहा है। गांव के कई हिस्सों में बदबू और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस जलजमाव और गंदगी से उल्टी-दस्त, डेंगू, मलेरिया और त्वचा रोग फैलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन ही मिलते हैं। न तो कोई नियमित सफाई अभियान चलाया जा रहा है और न ही कचरा निपटान की कोई योजना नजर आती है। इस लापरवाही के खिलाफ अब ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही स्थिति नहीं सुधरी तो वे ग्राम पंचायत के सामने धरना देंगे और जिला प्रशासन से सीधा हस्तक्षेप करने की मांग करेंगे। गांव के इस दुर्दशा की तस्वीर यह सवाल खड़ा करती है कि क्या विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है? धार्मिक और सामाजिक महत्व रखने वाला गांव सफाई-स्वच्छता के बुनियादी अधिकार से वंचित होता दिख रहा है, जो एक बड़ी चिंता का विषय है।

वीर शहीदों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा शंकर नगर मंडल द्वारा कारगिल विजय दिवस पर अमर जवान उद्यान में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, पूर्व राज्य मंत्री छगन लाल मूंदड़ा जी द्वारा कारगिल विजय दिवस पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के आयोजक मंडल अध्यक्ष राम प्रजापति, द्वारा भी वीर शहीदों को स्मरण करते हुए अपने विचार व्यक्त किए गए। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता सुनील चौधरी, छाया पार्षद ज्ञान चंद चौधरी, महामंत्री हरिवंश वर्मा, आनंद गयाधने, मधुसूदन शर्मा, अर्चना हुकरे, पुष्पेंद्र सिंह, आकाश तिवारी, राहुल यादव, अनुराग साहू, अनूप वर्मा , पुष्पेंद्र सिंह, अविनाश चटर्जी, शंभू लोवंशी, सुनील परेतकर, राम तांडी, चंद्र प्रकाश प्रजापति, राज सोना, वीरमणि चौबे, सूरज यादव, विजय चौबे, विशाल बाग, भारत बया, आशा साठे, साधना चक्रवर्ती, पूर्णिमा यादव, सरिता निगम, आशीष असाटी, प्रभात मिश्रा, काशीराम सोनवानी, आर्यांश मिश्रा व बड़ी संख्या में देशभक्त पहुंचे।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

साइको सइयां का मेरे करियर में बड़ा योगदान सिंगर ध्वनि भानुशाली

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। ध्वनि ने 'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करियर में खास महत्व रखता है।

ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आईं। यह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था।

ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गाना रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है। उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया।

इस गाने के लिए ध्वनि ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात प्रभास और श्रद्धा कपूर से हुई। ध्वनि ने बताया, कई लोगों ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज श्रद्धा के लिए एकदम सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

ध्वनि ने इस गाने को करियर का पहला बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब लाया। उन्होंने गायक सचेत टंडन के साथ मिलकर बनाए इस गाने को प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, जब मैं अपने शोज में या सोशल मीडिया पर फैंस को इस गाने पर गाते-नाचते देखती हूं, तो मुझे संगीत की ताकत का एहसास होता है।

अंजलि अरोड़ा ने गोवा में समंदर किनारे दिखाई बोल्ड अदाएं

एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा हाल ही में म्यूजिक वीडियो दिल पे चलाई छुरियां में नजर आई थीं। इस म्यूजिक वीडियो में उनके साथ सोशल मीडिया सेंसेशन राजू कलाकार और कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नजर आए थे। अंजलि अरोड़ा का ये म्यूजिक वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। इसी बीच उन्होंने गोवा में समंदर किनारे जमकर एंजॉय किया है और फोटोशूट करवाया है।

फोटोशूट के दौरान अंजलि अरोड़ा का सिजलिंग अंदाज देखने को मिला है। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है और उन पर फैंस फिदा हो रहे हैं।

अंजलि अरोड़ा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काफी एक्टिव रहती हैं। अंजलि अरोड़ा आए दिन अपने से जुड़े फोटोज और वीडियोज तमाम चाहने वाले फैंस को दिखाती रहती हैं। अंजलि अरोड़ा ने अब गोवा में समंदर किनारे अपना बोल्ड अंदाज दिखाकर फैंस को मदहोश कर दिया है। अंजलि अरोड़ा

अभिनेत्री ने गोवा में समंदर किनारे जमकर किया एंजॉय

की एक-एक तस्वीर फैंस का ध्यान खींच रही है।

अंजलि अरोड़ा ऑफ शोल्डर टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहन रखा था। इस तरह से अंजलि अरोड़ा ने एक बार फिर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का मौका नही छोड़ा। अंजलि अरोड़ा के खुले बाल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। अंजलि अरोड़ा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उन पर लोग कमेंट कर रहे हैं। अंजलि अरोड़ा ने कैप्शन लिखा है, तुम हो तो सब अच्छा है। अंजलि अरोड़ा को लेकर एक यूजर ने लिखा है, तुम भी एक मूवी बना लो, एक यूजर ने लिखा है, क्या अदाएं हैं?

अंजलि अरोड़ा के लिए ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने अपना ग्लैमरस अवतार दिखाया है। अंजलि अरोड़ा को कई बार हद से ज्यादा बोल्डनेस दिखाने पर ट्रोल भी किया

जाता है। अंजलि अरोड़ा म्यूजिक वीडियो कच्चा बादाम से काफी ज्यादा पॉपुलर हो गई थीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में अंजलि अरोड़ा नजर आ चुकी है।

एक्ट्रेस ने प्रीमियर शो के दौरान गाली-गलौज की, फिल्म निर्माता की शिकायत पर FIR दर्ज

ओशिवारा पुलिस स्टेशन में फिल्म निर्माता करण सिंह चौहान के खिलाफ 24 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराने वाली अभिनेत्री रुचि गुर्जर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अम्बोली पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

यह मुकदमा फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' के निर्माता मान लाल सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 189(1), 189(2), 190, 191(1), 329(3), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रुचि गुर्जर पर आरोप है कि वह प्रीमियर शो के दौरान अपने प्राइवेट सुरक्षा गार्डों के साथ बिना अनुमति के सिनेमाघर में घुस गईं और जमकर हंगामा किया। एक्ट्रेस ने गाली-गलौज कर फिल्म के प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। यह घटना 25 जुलाई को अंधेरी वेस्ट स्थित सिनेपोलिस सिनेमा में हुई, जहां रात 9 बजे फिल्म का प्रीमियर शो आयोजित था। शिकायतकर्ता मान लाल सिंह ने पुलिस को बताया कि फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' का निर्माण 2023 से चल रहा था और 25 जुलाई को इसकी आधिकारिक रिलीज होनी थी, लेकिन प्रीमियर शो से ठीक पहले रात करीब 8:40 बजे रुचि, चार महिलाओं और कुछ बॉडी गार्ड्स के साथ सिनेमा हॉल पहुंचीं और बिना किसी निमंत्रण या अनुमति के अंदर घुस गईं।

उन्होंने वहां मौजूद लोगों के सामने जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहा कि वह फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने देंगी। उन्होंने निर्माता मान लाल सिंह को अपशब्द कहा और अपने पैसों की मांग करते हुए धमकियां भी दीं। जब वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो रुचि के बॉडी गार्ड्स ने धक्का-मुक्की की और खुद एक्ट्रेस ने चप्पल निकालकर मान सिंह पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने एक प्लास्टिक की बोतल भी फेंकी।

क्या प्रियंका चोपड़ा से शादी से पहले निक ने एक साथ दो लोगों से प्यार किया था?

निक जोनास और प्रियंका चोपड़ा सबसे पसंदीदा पावर कपल्स में से एक हैं। ये दोनों हमेशा कुछ बेहतरीन कपल गोल्स सेट करने में नाकाम रहते हैं। हालाँकि उनके इंस्टाग्राम पोस्ट और सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के लिए प्यार का इज़हार करते हैं, एक समय ऐसा भी था जब इस गायक को एक ही समय में दो लोगों पर क्रश था। हालाँकि, जिस बात ने सबको हैरान कर दिया, वह यह है कि इन दोनों में से कोई भी उनकी वर्तमान पत्नी नहीं थी। अधिक जानने के लिए नीचे स्क्रॉल करें।

निक जोनास अपनी 'मिनी ट्रायंगल' प्रेम कहानी पर पेन बैडली के पॉडकास्ट में, जोनास ब्रदर्स ने अपने बचपन के क्रश और पहले दिल टूटने के बारे में बताया। केविन और जो जोनास अपने पहले सच्चे प्यार के बारे में बात करने वाले पहले व्यक्ति थे। एक भाई ने बताया कि उन्होंने इस बारे में एक गाना भी लिखा था, जबकि दूसरे ने बताया कि उनकी बेटी उसी उम्र की है जब उनके मन में गंभीर भावनाएँ थीं। दूसरी ओर, निक जोनास की कहानी बिल्कुल अलग है, जिसके बारे में वह शुरुआत में बात करने से हिचकिचा रहे थे। बाद में, उन्होंने अपने दो हिस्सों वाले क्रश के बारे में खुलासा किया, जब वह केवल 8 साल के थे। एक थिएटर प्रोडक्शन, ए क्रिसमस कैरल पर काम करते हुए, उन्हें एक ही समय में दो लोग पसंद आए।

मैं पहली बार ऐसे लोगों के बीच था जिन्हें गाना-नाचना और कहानियाँ सुनाना पसंद था, और मुझे सचमुच ऐसा लगा जैसे मैं इस समुदाय का हिस्सा हूँ। और ख़ास तौर पर, मेरी एक सहपाठी, जिसका नाम लिली था, निक ने कहा। कुछ देर रुककर उन्होंने आगे कहा, लेकिन मुझे उस चाइल्ड रैंगलर पर भी क्रश था। निक ने यह भी बताया कि चाइल्ड रैंगलर क्या होता है। उन्होंने आगे बताया कि जब माता-पिता आस-पास नहीं होते, तो वे सेट चलाते हैं। उन्होंने कबूल किया कि वे दोनों को अपनी भावनाओं के बारे में पता चलने से घबरा रहे थे। उन्होंने अपने 'मिनी लव ट्राएंगल' में फंसने का मजाक भी उड़ाया।

ट्रॉलीवुड अभिनेत्री सामन्था की पीठ पर बना टैटू अभी तक फीका नहीं पड़ा

ट्रॉलीवुड की टॉप हीरोइन बन चुकीं सामंथा इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा किसी और वजह से चर्चा में हैं। खबरें हैं कि सामंथा राज निदिमोरू के साथ रिलेशनशिप में हैं और जल्द ही उनसे दूसरी शादी करने वाली हैं। वहीं दूसरी तरफ, ऐसी भी अफवाह है कि वह अपने टैटू एक-एक करके मिटवा रही हैं।

सामंथा ने अपनी पीठ के ऊपरी हिस्से पर YMC नाम का एक टैटू बनवाया है। यह टैटू उन्होंने फिल्म 'ये माया चेसावे' के प्रतीक के तौर पर बनवाया था और कहा जाता है कि फिल्म के दौरान ही दोनों के बीच बॉन्डिंग और मजबूत हुई थी। हालाँकि, हाल ही में सामंथा की पीठ पर यह टैटू नहीं देखा गया है। सभी को लगा कि इसे मिटा दिया गया है।

लेकिन हाल ही में इस खूबसूरत बाला ने साड़ी और स्लीवलेस ब्लाउज पहनकर एक फोटोशूट करवाया है। एक तस्वीर में सामंथा खुश हैं कि उन्होंने अपनी पीठ पर YMC टैटू नहीं मिटाया है और यह अभी भी मौजूद है। हालाँकि, कुछ दिन पहले, जब सामंथा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें यह टैटू उनकी पीठ पर नहीं था, तो कयास लगाए जाने लगे कि उन्होंने इसे हमेशा के लिए हटा दिया है। कई लोगों ने सोचा था कि सामंथा ने नागा चैतन्य से तलाक के चार साल बाद यह टैटू हटा दिया होगा। लेकिन इन तस्वीरों के साथ पूरी तरह से स्पष्टता आ गई है।

जब सामंथा और नागा चैतन्य रिलेशनशिप में थे, तब उन्होंने अपनी बांहों पर दो तीरों का टैटू गुदवाया था। इस टैटू का मतलब है अपनी खुद की वास्तविकता बनाना। हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सामंथा ने उनसे ब्रेकअप के बाद इन्हें रखा या मिटा दिया। जहाँ नागा चैतन्य

ने अभिनेत्री शोभिता धुलिपल से शादी कर एक नई ज़िंदगी शुरू की, वहीं ऐसी अफवाहें हैं कि सामंथा निर्देशक जोड़ी राज और डीके में से एक, राज निदिमोरु के साथ रहने की योजना बना रही हैं। न तो सामंथा और न ही राज ने इस अफवाह पर आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया दी है।

डाइट में शामिल करें शहतूत, मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े ये बड़े लाभ

शहतूत एक ऐसा फल है, जो दिखने में तो साधारण लगता है, लेकिन इसमें पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है। यह फल न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। शहतूत में विटामिन-सी, लोहे, पोटेशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं कि शहतूत का सेवन करने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हैं तो शहतूत का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें कैलोरी कम होती है और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाती है। इससे आप अनहेल्दी स्नैकिंग से बच सकते हैं और अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा शहतूत में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा

देते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

आंखों के लिए है फायदेमंद

शहतूत आंखों की सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद खास यौगिक आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके अलावा यह उम्र बढ़ने के साथ होने वाली आंखों की समस्याओं जैसे मोतियाबिंद और ग्लूकोमा से बचाव करता है। शहतूत में विटामिन-ए और अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो आंखों की रोशनी को सुधारने और आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने में है प्रभावी

शहतूत हृदय रोगों के जोखिम कम करने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा शहतूत में मौजूद तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। नियमित रूप से शहतूत का सेवन करने से हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा कम होता है और रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है।

पाचन क्रिया को सुधारने में है मददगार

शहतूत पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारने और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके अलावा शहतूत में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। शहतूत का नियमित सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर तरीके से काम करती है और आंत की सूजन जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में है सक्षम

शहतूत रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होता है, जिससे आप विभिन्न प्रकार के संक्रमण और बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं। विटामिन-सी के अलावा इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं। इसलिए नियमित रूप से शहतूत का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है।

परफ्यूम लगाते समय न करें ये गलतियां, बिगड़ सकता है पूरा लुक

परफ्यूम सिर्फ एक खुशबू नहीं, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व को भी दर्शाता है। सही तरीके से परफ्यूम लगाना बहुत जरूरी है ताकि आप दिनभर तरोताजा महसूस करें और आपकी खुशबू भी बरकरार रहे। हालांकि, कई लोग परफ्यूम लगाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिनसे उन्हें सही फायदा नहीं मिल पाता है। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानेंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आप परफ्यूम का सही इस्तेमाल कर सकें।

परफ्यूम को सीधे धूप में रखना

कई लोग अपने परफ्यूम को सीधे धूप में रखते हैं, जिससे उसकी गुणवत्ता खराब हो सकती है। धूप और गर्मी से परफ्यूम के तत्व बिगड़ जाते हैं और उसकी खुशबू बदल जाती है। इसलिए इसे हमेशा ठंडी, सूखी और अंधेरी जगह पर रखें। इससे आपका परफ्यूम लंबे समय तक सही बना रहेगा और उसकी खुशबू भी बरकरार रहेगी, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे।

कपड़ों पर परफ्यूम छिड़कना

कपड़ों पर परफ्यूम छिड़कना एक आम गलती है, जिसे कई लोग करते हैं। कपड़ों पर परफ्यूम छिड़कने से वह जल्दी ही धूल-मिट्टी और अन्य तत्वों से गंदे हो जाते हैं और उनकी खुशबू भी खराब हो जाती है। इसके अलावा कपड़ों पर परफ्यूम के दाग भी पड़ सकते हैं। इसलिए हमेशा परफ्यूम को सीधे अपनी त्वचा पर ही लगाएं ताकि उसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहे और आपको किसी तरह की परेशानी न हो।

ज्यादा परफ्यूम लगाना

ज्यादा परफ्यूम लगाना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। कई लोग सोचते हैं कि ज्यादा परफ्यूम लगाने से उनकी खुशबू ज्यादा देर तक रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं होता। ज्यादा परफ्यूम लगाने से कभी-कभी सिरदर्द या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए हमेशा जरूरत भर ही परफ्यूम लगाएं ताकि आपको किसी तरह की परेशानी न हो और आपकी खुशबू भी बनी रहे। सही मात्रा में परफ्यूम लगाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे।

छिड़काव करते समय दूरी का ध्यान न रखना

परफ्यूम छिड़कते समय दूरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत करीब से परफ्यूम छिड़कते हैं तो यह आपकी त्वचा में समा जाता है और उसकी खुशबू जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए हमेशा थोड़ी दूरी बनाकर परफ्यूम छिड़के ताकि उसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहे। इसके लिए लगभग 6-8 इंच की दूरी बनाकर परफ्यूम छिड़कना सबसे अच्छा तरीका होता है। इससे आपकी त्वचा और कपड़े दोनों ही महकेंगे।

सही जगह पर परफ्यूम न लगाना

परफ्यूम लगाने की सही जगह भी जरूरी होती है। अक्सर लोग इसे कलाई या गर्दन जैसी जगहों पर तो लगाते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कुछ खास जगहें होती हैं जहां परफ्यूम लगाने से उसकी खुशबू ज्यादा देर तक रहती है जैसे कि कानों के पीछे, पीठ के निचले हिस्से पर आदि। इन जगहों पर परफ्यूम लगाने से आपको पूरे दिन तरोताजा महसूस होगा और आपकी खुशबू भी बरकरार रहेगी।

न्यायिक कार्य केवल कानून के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें मानवीय संवेदना का समावेश भी आवश्यक है: रमेश सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा रायपुर संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमिनार का आयोजन रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू-सर्किट हाउस में किया गया। इस सेमिनार में रायपुर संभाग के चार जिलों के 126 न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रकरणों के शीघ्र निराकरण किये जाने, गिरफ्तारी रिमाण्ड और जमानत से संबधित प्रावधान, अभियुक्त की परीक्षण का उद्देश्य एवं प्रक्रिया तथा हिन्दु उत्तराधिकार अधिकार एवं विरासत से संबंधित कानून का विश्लेशण एवं अध्ययन किया जाना है।

न्याय और विधिक ज्ञान के प्रकाशन का प्रतीक सेमिनार का शुभारंभ मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के द्वारा किया गया। सेमिनार में न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी, न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय, न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। न्यायिक सेमिनार में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने रायपुर संभाग के न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में न्यायपालिका से अपेक्षाएं अत्यधिक बढ़ गई हैं। जनता हमसे निष्पक्षता, गति और संवेदनशीलता की अपेक्षा रखती है। सेमिनार में चर्चा के लिए निर्धारित विषय हमारे आपराधिक और दीवानी न्यायशास्त्र के मूल स्तंभ हैं। इन क्षेत्रों में दक्षता केवल प्रक्रियात्मक अनुपालन का विषय नहीं है, बल्कि निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने, व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं की रक्षा करने और न्यायिक प्रक्रिया में सार्वजनिक विश्वास को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण पहलू है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि हाल ही में अधिनियमित भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) एवं अन्य नए कानूनों के प्रकाश में, न्यायाधीशों के लिए इन प्रावधानों से भली-भांति परिचित होना अत्यंत आवश्यक है, विशेष रूप जमानत संबंधी प्रावधान से हैं, ताकि न्यायिक निर्णयों में एकरूपता एवं विधिक शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। यदि आरोपी के अधिकारों के प्रतिकूल कोई संभावना हो, तो न्यायाधीशों को यह अत्यंत सावधानीपूर्वक देखना चाहिए कि क्या प्रस्तुत किया जा रहा है और क्या नहीं। किसी प्रकरण के तथ्यों और परिस्थितियों में न्यायाधीश की अपनी राय हो सकती है, परंतु वे कानून की सीमाओं तथा सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णयों से बंधे होते हैं। मजिस्ट्रेट को जमानत आवेदन पर आदेश करते समय सावधानी बरतनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि अपराध क्रमांक, जिन धाराओं के अंतर्गत आरोपी पर आरोप लगाया गया है, तथा आरोपी के संबंध में सही विवरण स्पष्ट रूप से उल्लेखित हो। उपर्युक्त में किसी भी प्रकार की चूक या त्रुटिपूर्ण विवरण उच्च न्यायालय द्वारा आवेदन के निस्तारण में विलंब का कारण बन सकता है, जिससे आरोपी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता बाधित हो सकती है।

मुख्य न्यायाधीश ने इस संभागीय कार्यशाला के उद्देश्य को न्यायिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और हमारे न्याय प्रदाता प्रणाली में सीखने, सहयोग और निरंतर सुधार की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कानून के शासन को बनाए रखने और समाज के सभी वर्गों को न्याय सुनिश्चित करने में एक आधारभूत भूमिका निभाती है। संविधान के संरक्षक के रूप में, यह आवश्यक है कि हम न केवल कानूनी रूप से सुदृढ़ हों, बल्कि सामाजिक रूप से जागरूक, उत्तरदायी और नैतिक रूप से दृढ़ भी हों।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में व्यक्त किया कि एक प्रशिक्षित और संसाधनयुक्त न्यायपालिका ही जन विश्वास की नींव है। यह कार्यशाला केवल एक शैक्षणिक अभ्यास नहीं है, अपितु यह आत्मनिरीक्षण, ज्ञान विनिमय और संस्थागत अखंडता को मजबूत करने का एक मंच है। मुख्य न्यायाधीश के द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों से इस कार्यशाला का पूर्ण लाभ उठाने एवं सेमिनार में आयोजित सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के साथ प्राप्त शिक्षा को अपने-अपने न्यायालयों में लागू करने हेतु कहा गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्य केवल कानून के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें मानवीय संवेदना का समावेश भी आवश्यक है। प्रत्येक फाइल के पीछे एक मानवीय कहानी छिपी होती है, जिसमें दर्द, संघर्ष और आशा समाहित होती है। 'जहाँ कानून हमारा साधन है, वहीं न्याय हमारा उद्देश्य है'। मुख्य न्यायाधीश ने कार्यशाला की सफलता की कामना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला रचनात्मक अंतर्दृष्टि, क्रियाशील परिणाम और इस राष्ट्र की जनता की निष्पक्षता, विनम्रता और समर्पण के साथ सेवा करने की एक नई प्रतिबद्धता की ओर ले जाएगी।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के कमल विहार सेक्टर-11ए में मेडिश्योर हॉस्पिटल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ सुलभ हो सकें।

मुख्यमंत्री साय ने हॉस्पिटल प्रबंधन को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त मेडिश्योर हॉस्पिटल आमजन के लिए एक बड़ी सौगात है। विशेष रूप से बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी उन्नत सुविधा राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे गंभीर रोगों से जूझ रहे मरीजों को राहत मिलेगी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और कुपोषण जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू, डॉ. विकास गोयल, डॉ. मीनल गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कुपोषण मुक्त करने जिला प्रशासन सदैव तत्पर-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस. उइके के निर्देशानुसार जिले में बच्चों के बेहतर सुपोषण, स्वास्थ्य एवं देखभाल तथा कुपोषण मुक्त करने के उद्देश्य से कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज के लिए आज छुरा के सांस्कृतिक भवन में मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इसकी शुरुआत शुक्रवार 25 जुलाई को जिला मुख्यालय से किया गया था। इसी तरह 03 अगस्त को मैनपुर में मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में राजधानी रायपुर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक भट्टर एवं उनकी टीम द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का गंभीरतापूर्वक स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज किया जा रहा है। साथ ही बच्चों के पालकों को बच्चों के बेहतर देखभाल एवं कुपोषण को दूर करने खानपान से संबंधित आवश्यक सलाह भी दिया जा रहा है। शिविर में बच्चों का सामान्य विकास, मनोभाव, बोलचाल, हाथ-पैर की एक्टीविटी, मानसिक विकास, बोलने-सुनने, पिछड़ापन, शारीरिक विकास, जन्मजात बीमारी, चर्मरोग, हृदय रोग, बौद्धिक विकास सहित अन्य शारीरिक कमजोरियों की जानकारी लेकर उनका नि:शुल्क उपचार एवं दवाईयां वितरित की गई। छुरा विकासखण्ड के लगभग 200 से अधिक बच्चों का वजन माप, वृद्धि चार्ट एवं आवश्यक मापदण्डों में पंजीयन किया गया। इसके आधार पर डॉ भट्टर ने बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच कर आवश्यक ईलाज एवं देखभाल के लिए सुझाव देते हुए उनके आहार एवं खान-पान के बारे में जानकारी दी गई। स्वास्थ्य टीम द्वारा नि:शुल्क दवाईयों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अशोक पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं चिकित्सकीय दल मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री साव ने किया अटल जी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज सरायपाली प्रवास के दौरान मा घंटेश्वरी मंदिर के समीप नवनिर्मित अटल परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और अटल जी के विचारों व योगदान को स्मरण किया।

उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे, जिनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। वे विचारों के धनी, ओजस्वी वक्ता और दूरदृष्टा राजनेता थे। अटल जी ने न सिर्फ भारतीय राजनीति को नई दिशा दी, बल्कि आमजन की आशाओं को नीति में परिवर्तित कर दिखाया। पोखरण परमाणु परीक्षण हो या सर्वसमावेशी विकास की परिकल्पना, हर कदम पर उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया।

उन्होंने आगे कहा कि अटल जी का जीवन सरलता, संयम और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक रहा है। उन्होंने लोकतंत्र की गरिमा को सदैव सर्वोपरि रखा और विपक्ष को भी सम्मान देने की परंपरा स्थापित की। उनके व्यक्तित्व से वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी, सरायपाली विधायक चातुरी नंद, बसना विधायक संपत अग्रवाल, पूर्व सांसद चुन्नी लाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर,राज्य महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया, स्काउट गाइड संघ के जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने अटल जी के विचारों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

लखपति दीदियाँ युवाओं के लिए बन रही प्रेरक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में लखपति दीदियाँ युवाओं के लिए अब प्रेरक का कार्य कर रही हैं। ये दीदियाँ अपनी मेहनत के बल पर अन्य युवाओं को रोजगार भी मुहैया करवा कर समाज में मिशाल कायम कर रही हैं।

गरियाबंद जिले के छुरा विकासखण्ड के ग्राम सरकड़ा निवासी नर्मदा निषाद एवं विकासखण्ड मैनपुर के ग्राम जिडार निवासी देवली नेताम अन्य महिलाओं के लिए मिसाल बनी एवं विकासखण्ड छुरा अंतर्गत ही ग्राम खरखरा की सतबाई, ग्राम रानीपरतेवा की झनेशवरी साहू, जय मां संतोषी समूह एवं ग्राम मातरबाहरा की जागेश्वरी नेताम, सती स्व-सहायता समूह विकासखण्ड मैनपुर अंतर्गत ग्राम दबनई निवासी कौशिल्या, ग्राम जाडापदर निवासी रामेश्वरी विश्वकर्मा द्वारा सेंट्रिंग प्लेट का कार्य प्रारंभ कर वह लाखों रूपए कमा रही हैं।

ये सभी दीदियाँ समूह लोन लेकर ईट निर्माण कार्य, सेंटिंउा प्लेट जैसे आजीविका गतिविधि प्रारंभ कर वह खुद से आर्थिक रूप से मजबूत बन रही, वही दूसरी महिलाओं को भी रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। स्व-सहायता समूह की दीदियां वर्तमान में ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत सेंटरिंग प्लेट की सप्लाई कर रही हैं। छ.ग. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत स्व-सहायता समूहों से जुड़ी दीदियां अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए एक मिसाल बनकर उभर रही हैं। ये दीदियां पहले ग्राम में मजदूरी का कार्य करती थी, उनके पति मिस्त्री के रूप में कार्य करते थे, जिससे उन्हें लगभग 7-8 हजार रूपए मासिक आमदनी होती थी। दीदियां समूह के माध्यम से लोन लेकर नया आजीविका करने और अपनी आमदनी को बढ़ाने की योजना बना कर ईट निर्माण से लेकर सेंट्रिंग प्लेट सप्लाई एवं भवन निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री भी सप्लाई कर रही हैं।

इस कार्य में समूह की दीदियों द्वारा अब तक बहुत से आवास निर्माण में ईट, सेंटरिंग प्लेट व अन्य सामग्रियां उपलब्ध करा कर लाखों रुपए की आमदनी अर्जित कर चुकी हैं। समूह की दीदियों द्वारा ईट निर्माण, सेंटरिंग प्लेट व अन्य सामग्रियां प्रदाय कर औसत वार्षिक आय 3 लाख रूपये से अधिक आय अर्जित कर रहे है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमरकंटक में श्रद्धालु भवन के लिए चिन्हांकित 5 एकड़ भूमि का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अब अमरकंटक में ठहरने और सुविधाओं की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। सावन मास में अमरकंटक प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मध्यप्रदेश के अनुपपुर जिले में छत्तीसगढ़ सरकार के लिए आबंटन हेतु चिन्हांकित 5 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण श्रद्धालु भवन निर्माण की दिशा में एक ठोस पहल है, जिससे लाखों श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यंत्री शर्मा ने भूमि की स्थिति, स्थल की उपयुक्तता एवं पहुँच मार्ग का अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुपपुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे। भूमि के लिए पूर्व में दावा-आपत्तियाँ आमंत्रित की गई थीं, लेकिन निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई, जिससे अब भूमि का आवंटन सुनिश्चित माना जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप इस भूमि पर जल्द ही एक भव्य और सर्वसुविधायुक्त श्रद्धालु भवन का निर्माण किया जाएगा। इसमें ठहरने, भोजन, स्नान-शौचालय, प्राथमिक उपचार, पार्किंग और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में कांवड़िये, श्रद्धालु और पर्यटक अमरकंटक पहुँचते हैं। अब तक उन्हें वहाँ ठहरने व मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि यह भवन न केवल सुविधा केंद्र होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराएं, लोक आस्था और धार्मिक पहचान का प्रतीक भी बनेगा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने सरायपाली में 13 विकास कार्यों का किया लोकापर्ण एवं भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज नगर पालिका परिषद सरायपाली के लिए ऐतिहासिक दिन रहा, जब प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने नगर क्षेत्र में कुल 13 विकास कार्यों का लोकापर्ण एवं भूमिपूजन कर नगरवासियों को 167.37 लाख रुपये की सौगात दी। इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी, सरायपाली विधायक चातुरी नंद, बसना विधायक संपत अग्रवाल, पूर्व सांसद चुन्नी लाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सरला कोसरिया, स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष येत राम साहू, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षदगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कुल 7 कार्य, लागत 87.36 लाख रूपये का लोकार्पण किया। जिसमें घंटेश्वरी मंदिर के पास अटल परिसर निर्माण एवं मूर्ति स्थापना सहित सौंदर्यीकरण कार्य 28.16 लाख रुपए , अघरिया समाज छात्रावास परिसर में डोम निर्माण कार्य 30.00 लाख, वार्ड क्रमांक 02, 05, 09, 12 एवं 15 में बस स्टॉप निर्माण कार्य 29.20 लाख रुपए का कार्य शामिल है।

इसी तरह भूमिपूजन कार्य अंतर्गत कुल 6 कार्य, लागत 80.01 लाख रुपए जो 15वें वित्त आयोग अंतर्गत शामिल है , जिनमें वार्ड क्रमांक 05 में तालाब से बस स्टॉप तक विद्युतीकरण कार्य 4.23 लाख, वार्ड क्रमांक 01 में पाइपलाइन विस्तार कार्य 6.23 लाख, वार्ड क्रमांक 05 में तालाब से बस स्टॉप तक फुटपाथ निर्माण कार्य 15.70 लाख, वार्ड क्रमांक 05 में सरसीवां रोड पर शेड निर्माण कार्य 25.79 लाख,पीवीसी टंकी स्थापना एवं पाइप लाइन विस्तार कार्य 10.76 लाख, वार्ड क्रमांक 01 में सम्पवेल निर्माण कार्य 17.30 लाख रुपए शामिल है।

कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को स्मरण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बुनियादी सुविधाएं हर नागरिक तक पहुंचे। सरायपाली क्षेत्र के विकास के लिए यह सिर्फएक शुरुआत है, आने वाले समय में और भी बड़ी योजनाएं लाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि आज के इस पावन अवसर पर सराईपाली नगर पालिका में 1.67 करोड़ के अलग-अलग कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है, इसके लिए मैं सरायपाली की जनता को बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। आज सरायपाली के लिए यादगार दिन है, आज अटल जी के भव्य और सुंदर प्रतिमा का लोकार्पण हुआ है। राज्य के सभी नगरीय निकाय में इस प्रतीक का लोकार्पण इसलिए हुआ है क्यूंकि आज हमारे राज्य की अलग पहचान श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के कारण संभव हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण से पहले भुखमरी अशिक्षा और गरीबी थी, छत्तीसगढ़ की जनता के इस दर्द को अटल जी ने समझा और हमारा राज्य अस्तित्व में आया। आज अटल जी के महान सोच से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से देश के गाँवों की तरक्की संभव हुई है। हमारी सरकार ने 18 लाख आवास दिया है और आज 14 लाख से ज्यादा की स्वीकृति डेढ़ साल के अंदर हुआ है और इसके अलावा नए नाम जोड़ने का काम चल रहा है, और एक भी गरीब आवासहीन ना रहे यही हमारी विष्णु देव साय सरकार का लक्ष्य है। किसानों को प्रति एकड़ 3100 रूपये क्विंटल दिया जा रहा है। आज छत्तीसगढ़ में इसलिए चारों ओर विकास की बयार चल रही है। साथ ही उन्होंने विधायक सरायपाली द्वारा की गई मांगों को स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी, सरायपाली विधायक चातुरी, सरस्वती पटेल अध्यक्ष नगर पालिका, लक्ष्मी पटेल जनपद अध्यक्ष सरायपाली खुशबू अग्रवाल नगर पंचायत अध्यक्ष बसना, नेहरू निषाद सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नगर की जनता मौजूद थे।

जशपुर में जिला स्तरीय कौशल तिहार का आयोजन, इलेक्ट्रिशियन इंस्टॉलेशन प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाया हुनर

जशपुरनगर। जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जशपुर में जिला स्तरीय कौशल तिहार का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर खास तौर पर इलेक्ट्रिशियन इंस्टॉलेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लाइवलीहुड कॉलेज के प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित सात लाभार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई थी। पहली श्रेणी 22 वर्ष से कम आयु के प्रतिभागियों के लिए थी, जबकि दूसरी श्रेणी में 22 से 45 वर्ष के बीच के लाभार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में जिला परियोजना लाइवलीहुड के प्रशिक्षक, कौशल विकास प्राधिकरण के सहायक संचालक और आईटीआई आरा के प्राचार्य शामिल रहे।

खास खबर

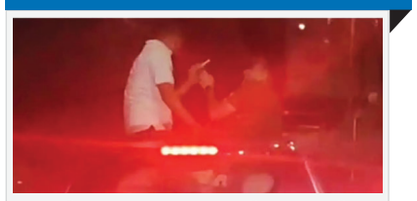

लड़कों का उत्पात, चलती कार की छत में बैठकर सिगरेट पीते दिखे

रायपुर। राजधानी रायपुर में युवकों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन युवक बेखौफ होकर बीच सड़क पर कार की सनरुफ खोलकर सिगरेट पीते, मस्ती करते और लोगों को परेशान करते हुए नजर आते हैं। इतना ही नहीं ये युवक नशे में उन्हें समझाने वालों से भीड़ जाते हैं। एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक कार की सनरुफ खोलकर सिगरेट पीते और हल्ला करते नजर आ रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला राजधानी रायपुर के गोलबाजार थाना क्षेत्र का है। यहां कुछ युवक कार की सनरुफ खोलकर सिगरेट पीते और हल्ला करते हुए नजर आए। युवकों की हरकत को उनके पिछले चल रही कार में सवार लोगों ने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया, लेकिन मामला यहीं नहीं थमा। जब लोगों ने युवको को ऐसा करने से मना किया तो युवक नशे की हालत में लोगों से ही भीड़ गए। पुलिस को इस मामले की जानकारी दी गई। जैसे ही गोलबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो सभी युवक पुलिस के सामने ही लोगों भीड़ गए और उनसे बदतमीजी करने लगे। सभी युवक पंजाब और हरियाणा के बताए जा रहे हैं। युवको की हरकतों को देखते हुए पुलिस की टीम ने कार को जब्त कर सभी युवकों को हिरासत में ले लिया है।

नहाते समय डूबा किशोर, मौत,

बिलासपुर। चकरबेड़ा गांव में दोस्तों के साथ खदान में भरे पानी में नहाने गए बालक की मौत हो गई। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चले गया। मदद की पुकार सुनकर कुछ लोग वहां पहुंचे और उसे पानी से बाहर निकाला, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका है। घटना मल्हार चौरी क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, 10 वर्षीय सूरज कुमार अंचल अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए खदान गया था। इस दौरान सभी बच्चे नहा रहे थे, लेकिन सूरज गहरे पीन में चले गया। घटना के बाद से परिजनों में शोक का माहौल है। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

करंट लगने से थाना प्रभारी की मौत

जशपुर। जिले के नारायणपुर थाना प्रभारी रामसाय पैंकरा की मौत करंट लगने से हो गई। यह दर्दनाक हादसा सरगुजा जिले के सीतापुर स्थित उनके सरकारी आवास में हुआ, जहां सीपेज के कारण फैले करंट की चपेट में आकर उनकी जान चली गई।

इस हादसे के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। साथी अधिकारी और कर्मचारी स्तब्ध हैं। जशपुर एसएसपी शशिमोहन सिंह ने श्रद्धांजलि दी। स्व. रामसाय पैंकरा जशपुर जिले के थाना नारायणपुर में प्रभारी के पद पर पदस्थ थे। पुलिस मुख्यालय द्वारा आयोजित चंदखुरी में 7 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में सम्मिलित होने वे यहां से गए थे, कोर्स समाप्ति उपरांत वे 27 जुलाई को अपने घर सुरगांव थाना सीतापुर आये थे, इसी दौरान घर में बिजली करंट की चपेट में आने से उनकी मृत्यु हो गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा के लॉकर से गायब हुआ लाखों का सोना

भिलाई नगर पुलिस ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ दर्ज किया अपराध

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में बैंक ऑफ बड़ौदा में बड़ी लापरवाही सामने आई है। इंदिरा प्लेस सिविक सेंटर में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के लॉकर से खाता धारक का सोना गायब हो गया। इस मामले में लगातार बैंक प्रबंधन से शिकायत के बाद कोई हल नहीं निकला। बैंक प्रबंधन ग्राहक को इसका जिम्मेदार टहराता रहा जबकि ग्राहक का कहना है कि उसने या उसके परिवार के किसी भी सदस्य ने सोना नहीं निकाला। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने बैंक ऑफ बड़ौदा प्रबंधन के खिलाफ धारा 316(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है गायब हुए सोने की कीमत 50 लाख रुपए के आसपास की है।

दरअसल इस मामले में सेक्टर-5 निवासी दरोगा सिंह द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। दरोगा सिंह ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा में उसे 1991 से लॉकर न 697 आवंटित हुआ था। लॉकर में अपने परिवार का 40 तोला सोना तीन अलग-अलग पोटलियां बनाकर रखा था। लॉकर रूम में सीपेज के कारण लॉकर खोलने में परेशानी होना बताया और

इसकी शिकायत करने पर लॉकर की देखरेख करने वाली अनिता कोरेटी एक अस्थाई लॉकर नंबर 547 दिया। इस दौरान पुराना लॉकर ठीक करने के लिए चाबी अपने पास रख लिया।

लॉकर में मिली सिर्फ एक पोटली

दरोगा सिंह ने बताया कि 17 जनवरी 2025 को अनिता कोरेटी के फोन पर बताया कि पुराने लॉकर का सामान अस्थाई लॉकर में रख दिया गया है। पुराना लॉकर ठीक होने के बाद फिर से उसे दे दिया जाएगा। इसके बाद दरोगा सिहं ने 22 अप्रैल 2025 को जब लॉकर खोला तो उसमें से दो पोटली में रखा समान गायब पाया। केवल एक पोटली जो उसकी बहु की थी वही लॉकर में पाया गया। दारोगा सिंह ने बताया कि लॉकर का संचालन वे स्वयं करते हैं और उनके साथ उनकी पत्नी श्यामा सिंह जाती है। उनकी बेटी अराधना सिंह ने कभी भी लॉकर नहीं खोला।

लॉकर खराब होने की शिकायत

इधर जब इस मामले में दरोगा सिंह ने बैंक प्रबंधन से शिकायत की तो अनिता कोरेटी सिनियर मैनेजर ने कहा कि लॉकर को दरोगा सिंह ने अपनी बेटी के साथ ऑपरेट किया है जबकि पुलिस को दिए बयान में दरोगा सिंह की बेटी ने कहा था उन्होंने कभी भी लॉकर ऑपरेट नहीं किया। लॉकर खराब होने की शिकायत पर आस्थाई लॉकर बैंक द्वारा दिया गया और पुराने लॉकर को ठीक कराने गोदरेज के टेक्निशियन को सुखविंदर सिंह उर्फ सन्नी को भी बुलाया गया। बैंक द्वारा सन्नी को लॉकर ठीक कराने लगभग तीन बार बुलाया गया।

इधर बैंक के एक और अधिकारी शरण पाल चुग्गा सिनियर मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा ने बताया कि 22 अप्रैल को 2025 को लॉकर इंचार्ज अनिता कोरेटी सिनियर मैनेजर के अवकाश पर होने से लॉकर सबंधी कार्य उन्हें दिया गया था। 22 अप्रैल 2025 को दरोगा सिंह जिसे लॉकर नंबर 697 आबंटित है वे अपने लॉकर से सामान लेने आये थे। लॉकर को चेक करने उपरांत समान नहीं होने की शिकायत उन्होंने की थी। उनकी शिकायत पर संबंधित रजिस्टर को चेक कर बैंक प्रबंधक को सूचित किया।

लॉकर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी बैंक प्रबंधन की

लॉकर इंचार्ज अनिता कोरेटी ने बार-बार कहा कि दरोगा सिंह ने अपनी बेटी के साथ लॉकर का संचालन किया, जबकि पुलिस की जांच में किसी भी सीसी टीवी फुटेज में कोई सुबूत सामने नहीं आया। जांच में यह भी पाया गया कि लॉकर नंबर 697 भी था जिसे बिना खोले ही केवल ऑयलीग किया गया था उसके बाद उस लॉकर को पुन और रिपेयरिंग नहीं करना बताया है। लॉकर इंचार्ज अनिता कोरेटी द्वारा संबंधित कम्पनी को लॉकर रिपेयरिंग हेतु सूचना देने की बात स्वीकार की गई है किन्तु मैकेनिक के रिपेयरिंग करने उपरांत कौन-कौन से लॉकर ठीक नहीं हुए थे इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। आरबीआई के गाइडलाइन के अनुसार लॉकर के सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी बैंक प्रबंधन की है और इसमे वे पूरी तरह से विफल हुए। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने बैंक ऑफ बड़ौदा प्रबंधन पर केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

जंगल में मिला लापता युवक का बाइक मिला, परिजनों ने जताई आशंका

महासमुंद। पिथौरा थाना क्षेत्र में निजी फाइनेंस कंपनी में काम करने वाला युवक अमित चौधरी 25 जुलाई की शाम से लापता है। रविवार को उसकी बाइक जंगल में जली हुई हालत में मिली। युवक को आखिरी बार बस स्टैंड के पास देखा गया था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अमित चौधरी निजी फाइनेंस कंपनी में काम करता था। वह 24-25 जुलाई की दरमियानी रात अपने घर से करीब 6 बजे शाम को निकला था। इसके बाद उसे अंतिम बार पिथौरा बस स्टैंड के पास एक होटल में देखा गया था। रात करीब 1 बजे उनका मोबाइल नंबर बंद हो गया, जिसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने जब अमित के घर न लौटने की सूचना मिली, तो उनके छोटे भाई अमन चौधरी ने 25 जुलाई को रात 6 बजे स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस को रविवार, 27 जुलाई को सूचना मिली कि पीलवापाली के एक जंगल में एक बाइक जली हुई हालत में पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पुष्टि की कि यह बाइक अमित चौधरी की है। थाना प्रभारी टी उमेश वर्मा ने बताया कि बाइक की स्थिति संदिग्ध है और इसे जलाए जाने की आशंका जताई जा रही है।

ऑपरेशन मुस्कान अभियान चलाकर 6 लापता नाबालिग सशुकशल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। बीते एक सप्ताह में जिले की अलग-अलग जगहों से लापता 6 नाबालिग लड़कियों को तलाश कर सुरक्षित उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। इनमें से दो लड़कियां हिमाचल प्रदेश और दिल्ली से बरामद की गई हैं। हिमाचल से दस्तयाब की गई एक किशोरी के मामले में पुलिस ने एक 27 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हिमाचल से शादी का झांसा देकर भगाई किशोरी पहला मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है, जहां 6 अगस्त 2024 को एक व्यक्ति ने अपनी 17 वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। रात करीब 1 बजे परिजनों ने देखा कि घर की कुंडी खुली है और किशोरी गायब है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि बालिका हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के योल गांव में है। तत्काल पुलिस टीम हिमाचल भेजी गई और वहां से आरोपी राजेश राम यादव के कब्जे से बालिका को बरामद किया गया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसे भगाया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धाराएं 64(2), 87, 96 और पॉक्सो एक्ट की धारा 4

व 6 के तहत केस दर्ज किया और उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

दिल्ली से दस्तयाब हुई बालिका दूसरे मामले में दोकड़ा चौकी क्षेत्र के एक व्यक्ति ने 2 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 16 वर्षीय बेटी बिना बताए घर से निकल गई है। संदेह था कि वह नौकरी की तलाश में दिल्ली गई है। जांच के दौरान सूचना मिली कि दिल्ली स्थित निर्मल छाया चिल्ड्रन होम में एक नाबालिग बालिका है जो जशपुर की हो सकती है। पुलिस टीम दिल्ली रवाना हुई और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद किशोरी को दस्तयाब कर जशपुर लाया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह काम की तलाश में अकेले दिल्ली पहुंची थी, लेकिन रास्ता भटकने पर चाइल्ड होम द्वारा संरक्षण में ले लिया गया। उसके साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी। पुलिस ने बालिका को परिजनों को सौंप दिया।

ऑपरेशन मुस्कान अभियान जारी इस संबंध में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान अभियान को प्राथमिकता के साथ चलाया जा रहा है। लापता बच्चों को सुरक्षित वापस लाने के लिए राज्य के भीतर और बाहर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में दिल्ली और हिमाचल से दो बच्चियों सहित कुल 6 नाबालिग बालिकाओं को एक सप्ताह के भीतर खोज निकाला गया है। जशपुर पुलिस की इस तत्परता और सतर्कता से परिजनों ने राहत की सांस ली है, वहीं समाज में भी पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

धमतरी जिले में वाहन चोर गिरोह का हुआ पर्दाफाश, 17 बाइक सहित तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में लगातार बढ़ रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए धमतरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरजिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने कुल 17 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद गाड़ियों की अनुमानित कुल कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई को धमतरी पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के स्पष्ट दिशा-निर्देशों एवं सतत निगरानी में अंजाम दिया गया। विशेष अभियान के

तहत गठित पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर चोरी के मामलों की गंभीरता से जांच की।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब 4 जुलाई को धमतरी निवासी उत्तम तिवारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उन्होंने एयू बैंक, टिकरापारा के पास अपनी हीरो फैशन प्रो (CG-05-X-8420) मोटरसाइकिल खड़ी की थी, जो कुछ समय बाद वहां से गायब हो गई। शिकायत पर थाना सिटी कोतवाली में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए एक युवक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने चोरी करना कबूल किया। आरोपी की पहचान कश्यप पटेल, निवासी अड़ेगा, थाना केशकाल, जिला कोंडागांव के रूप में हुई।

कश्यप पटेल ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने धमतरी समेत कई जिलों से मोटरसाइकिलें चोरी की हैं। पुलिस ने आरोपी के मेमोरेण्डम पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर कुल 17 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं, जिनमें शामिल हैं। 13 मोटरसाइकिल - एचएफ डिलक्स 02, स्प्लेंडर 01, टीकेएस स्पोर्ट्स 01, पैशन प्रो दो अन्य आरोपी भी चढ़े हत्थे पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी कश्यप चोरी की गाड़ियों को विल्लू कोर्राम और गणेश भारद्वाज नामक व्यक्तियों को बेच देता था। पुलिस ने इन दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की गई गाड़ियों के स्थान चोरी की गई मोटरसाइकिलें धमतरी जिले सहित अन्य जिलों से चोरी की गई थीं। इनमें से कुछ प्रमुख स्थान इस प्रकार हैं: धमतरी जिले से - एयू बैंक के पास टिकरापारा, श्रीराम अस्पताल, चटर्जी अस्पताल, अंगारमोती परिसर गंगरेल कांकेर जिले से-चारामा बाजार से 07 मोटरसाइकिल लखनपुरी से-01 मोटरसाइकिल कोरर से-02 मोटरसाइकिल अपराध दर्ज कर आरोपी जेल भेजे गए गिरफ्तार तीनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की संपत्ति बरामद होने एवं आरोप सिद्ध होने पर उनके विरुद्ध अपराध क्रमांक 174/2025, धारा 303(2), 317(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक का कुशल नेतृत्व इस पूरी कार्रवाई में एसपी सूरज सिंह परिहार की त्वरित योजना, सख्त निर्देश और निगरानी की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस कार्यवाही से जहां वाहन चोरी के मामलों में कमी आने की उम्मीद है, वहीं आमजन में विश्वास भी मजबूत हुआ है। धमतरी पुलिस की इस महत्वपूर्ण सफलता को लेकर स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी सराहना की है।

सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों द्वारा बनाए गए तीन नक्सली स्मारक ध्वस्त कर नष्ट कर दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दन्तेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मालेवाही से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 195वीं बटालियन एवं जिला बल थाना मालेवाही की संयुक्त टीम आज रविवार को ग्राम कहचेनार की ओर एरिया डॉमिनेशन अभियान पर रवाना हुई। सुरक्षाबलों द्वारा ग्राम मालेवाही, पुसपाल एवं कहचेनार क्षेत्र में गहन सर्चिंग एवं एरिया डॉमिनेशन किया गया।

सर्चिंग के दौरान ग्राम कहचेनार के समीप नक्सलियों द्वारा बनाए गए कुल तीन नक्सली स्मारक चिन्हित किए गए जिनमें से दो लकड़ी से निर्मित तथा एक सीमेंट-पत्थर से बना हुआ था। ऑपरेशन टीम द्वारा उक्त तीनों नक्सली स्मारकों को मौके पर ही ध्वस्त कर नष्ट कर दिया गया। उक्त स्मारक पूर्व में मारे गए सीसीएम कैडर के नक्सलीआनंद/सुदर्शन करटम, पीएल

16 डिप्टी कमांडर रामसू कोर्राम, जयमन तथा महिला नक्सली सनिता के नाम पर बनाए गए थे।

उल्लेखनीय है कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन द्वारा 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाया जाता है, जिसमें वे मारे गए सक्रिय नक्सलियों की स्मृति में स्मारक निर्माण, बैनर-पोस्टर लगाना, जनसभाएं आयोजित करना तथा सुरक्षाबलों के विरुद्ध कार्यवाहियां करने का प्रयास करते हैं। यह सप्ताह संगठन के लिए प्रचार व जनसंपर्क का माध्यम होता है, जिसमें वे ग्रामीणों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। सुरक्षाबलों की तत्परता तथा सजगता से नक्सली स्मारक ध्वस्त किया जा रहा है।

इन्हीं संभावित गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए, सुरक्षा बलों द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में सघन गश्त, सर्च ऑपरेशन व नक्सली प्रभाव क्षेत्र में चिन्हित संरचनाओं का विध्वंस किया जा रहा है, ताकि नक्सलियों के मनोबल व प्रचार तंत्र को कमजोर किया जा सके। कार्यवाही के दौरान ग्राम कहचेनार में ग्रामीणों से संपर्क स्थापित कर ग्रामीणों ने पुलिस एवं प्रशासन पर अपना विश्वास जाहिर करते हुए, क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी लाने के लिए मांग किया। पूरे अभियान के उपरांत ऑपरेशन दल सकुशल वापस थाना मालेवाही लौट आया है। नक्सली शहीद सप्ताह के दौरान संभावित किसी भी नक्सली गतिविधि को विफल करने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई: डिप्टी रेंजर के ठिकानों पर छापा, नगदी और सोना-चांदी बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर से सटे ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। रविवार सुबह ओडिशा सतर्कता विभाग (विजिलेंस) ने वन विभाग के डिप्टी रेंजर रामचंद्र नेपक के 6 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। इस कार्रवाई में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक नगदी के साथ भारी मात्रा में सोना-चांदी के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। छापेमारी की यह कार्रवाई ओडिशा के जयपुर, भुवनेश्वर सहित 6 अलग-अलग ठिकानों पर की गई।

जयपुर स्थित गोल्डन हाइट्स अपार्टमेंट से सबसे ज्यादा नगदी और कीमती सामान बरामद किया गया। कार्रवाई का नेतृत्व विजिलेंस एसपी रवींद्र कुमार पांडा कर रहे हैं और देर शाम तक छापेमारी जारी थी। डिप्टी रेंजर रामचंद्र नेपक पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया

है। विजिलेंस विभाग को लंबे समय से उनके खिलाफ शिकायत मिल रही थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। बरामद राशि और संपत्ति का आंकलन अभी जारी है, लेकिन अनुमान है कि यह आंकड़ा करोड़ों में पहुंच सकता है। इस मामले को बस्तर के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि डिप्टी रेंजर का कार्यक्षेत्र बस्तर सीमा से सटा हुआ है।

खासकर माचकोट-तिरिया इलाका जो ओडिशा और बस्तर की सीमा पर स्थित है, वहां लकड़ी तस्करी की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो ओडिशा के जंगलों में पेड़ पहले ही साफ हो चुके हैं और अब लकड़ी माफिया बस्तर की ओर रुख कर चुके हैं। ऐसे में यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं ओडिशा का वन अमला इन तस्करों को संरक्षण तो नहीं दे रहा। बस्तर के घने जंगलों में लगातार पेड़ों की कटाई की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन जिम्मेदार एजेंसियों की कार्रवाई नगण्य है। फिलहाल विजिलेंस की छापेमारी से वन विभाग में हड़कंप मचा हुआ है और यह कार्रवाई अन्य अधिकारियों के लिए भी चेतावनी मानी जा रही है।

बिल्हा ने देशभर में बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मानः स्वच्छता में देशभर में प्रथम, 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की नगर पंचायत बिल्हा ने स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में 20,000 से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए दिनांक 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य पुरस्कार समारोह में भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बिल्हा नगर पंचायत को सम्मानित किया गया था। आज इस गौरवशाली उपलब्धि की प्रतिध्वनि 'मन की बात' के राष्ट्रीय मंच तक पहुँची, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में बिल्हा नगर पंचायत की महिलाओं द्वारा किए गए नवाचार और श्रम का उल्लेख करते हुए सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं को वेस्ट मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर बदल डाली। यह उल्लेख पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है, जिसने स्वच्छता को न केवल शासकीय योजना के रूप में, बल्कि सामुदायिक आंदोलन के रूप में अपनाया है।

नगर पंचायत बिल्हा की आबादी लगभग 15,000 है, जहाँ 28 स्वच्छता दीदियाँ कार्यरत हैं। ये दीदियाँ नगर के 15 वार्डों में घर-घर जाकर ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं और फिर कचरे को SLRM सेंटर में ले जाकर गीला और सूखा कचरा पृथक करती हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है और सूखे कचरे को बेचकर ये महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इसके अतिरिक्त बिल्हा नगर में 10 विशेष स्वच्छता कमांडो भी नियुक्त किए गए हैं जो ट्रैक्टर और ऑटो टिपर के माध्यम से पूरे शहर में घूमकर कचरा सफाई और जन-जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। बिल्हा नगर पंचायत द्वारा जन-जागरूकता अभियान, मुनादी, और घरों-दुकानों से सीधे कचरा संग्रहण जैसे कदमों से आज नगरवासी कचरे को पृथक कर ई-रिक्शा में देने के लिए प्रेरित हो चुके हैं। मुक्तिधाम, तालाब, गार्डन, सामुदायिक भवन आदि में सामूहिक सफाई अभियान भी समय-समय पर चलाए जाते हैं। इस सफलता का श्रेय सभी सफाई कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, नगर पंचायत के अधिकारियों, कर्मचारियों और सकारात्मक सोच वाले जनप्रतिनिधियों को जाता है, जो निरंतर निरीक्षण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में 20,000 से कम आबादी वाले 2000 से अधिक नगरीय निकाय हैं। भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से सफाई व्यवस्था का परीक्षण, जिसमें डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, रोड स्विपिंग, नाइट स्विपिंग, कचरा निपटान, शौचालयों और पार्कों की सफाई व्यवस्था सहित जनता से फीडबैक शामिल था, उसी के आधार पर यह सम्मान मिला है। इस अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, नगर पंचायत बिल्हा की अध्यक्ष वंदना जेन्ड्रे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सिंह गहलोत, उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, पीआईसी सदस्य मोहन ढोरिया, तत्कालीन उप अभियंता नरेंद्र दुबे, सफाई दरोगा यशवंत सिंह, स्वच्छता सुपरवाइजर राकेश डागोर, स्वच्छता दीदी श्रीमती पूजा राठौर एवं पीआईयू अंकित दुबे विशेष रूप से उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का मान पूरे देश में बढ़ाया है। यह सफलता हमारे नगरीय निकायों की प्रतिबद्धता, कार्यशैली और जनभागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य नगर निकायों को भी नई प्रेरणा देगी और हम सब मिलकर स्वच्छता में छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषयः साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किया है, वह सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में देशभर के 20,000 से कम आबादी वाले शहरों में प्रथम स्थान प्राप्त कर बिल्हा ने न केवल प्रदेश का मान बढ़ाया है, बल्कि यह सिद्ध किया है कि संकल्प, सहभागिता और सेवा भाव से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में बिल्हा की महिलाओं और उनके स्वच्छता नवाचार की प्रशंसा करना इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक बना देता है। यह समस्त छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे 400 नए बीएसएनएल टावर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरस्थ इलाकों में डिजिटल संचार को सशक्त बनाने हेतु 400 नए बीएसएनएल टावर लगाने की योजना पर कार्य कर रही है। यह जानकारी ग्रामीण विकास और दूरसंचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने रविवार को रायपुर में दी। डॉ. शेखर ने कहा कि इन टावरों की स्थापना के लिए सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद चरणबद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया, बीएसएनएल आज देश में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं दे रहा है, और इस विस्तार के साथ हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुँचाने के मिशन को साकार कर रहे हैं।

डॉ. शेखर ने रायपुर में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग, डाक विभाग, दूरसंचार विभाग और भारत संचार निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना , प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के तेज़ और प्रभावशाली क्रियान्वयन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं ग्रामीण आधारभूत संरचना और आवास क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन ला रही हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए नवाचार

राज्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'पिंक ऑटो' जैसे नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत महिलाओं को स्वामित्व वाले पिंक ऑटो प्रदान किए जा रहे हैं। यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकती है। उन्होंने कहा की, SHGs को विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और विपणन अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है।

नक्सल क्षेत्रों में विशेष पहलें

डॉ. शेखर ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को मिशन मोड में लागू किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में सेवाएं घर-घर तक पहुँचाने की रणनीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में विद्यालयों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जिससे छात्रों को अब छ्श्वश्व, हृश्वश्वञ्ज जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिल रही है। इसके साथ ही, दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जो एक संवेदनशील और समावेशी पहल है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं सरकारी योजनाएं

अपने संबोधन के अंत में डॉ. शेखर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अब समाज के अंतिम पंक्ति के नागरिक तक पहुंच रही हैं। वंचित, आदिवासी और दुर्गम क्षेत्रों में भी अब तेज़ विकास और परिवर्तन देखा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि डिजिटल, भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे को एकीकृत रूप से मजबूत कर 'सबका साथ, सबका विकास' को धरातल पर उतारा जाए।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पेम्मासानी ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भारत सरकार के केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पेम्मासानी ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ग्रामीण विकास, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन, आदिवासी अंचलों में संचार सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासोन्मुखी दृष्टिकोण को धरातल पर साकार करने हेतु राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख पक्के मकानों की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिससे प्रदेश के गरीब परिवारों के आवास का सपना पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 1,460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र आरंभ किए गए हैं, जिससे ग्रामीण जनसंख्या को सहज और सुलभ बैंकिंग सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री साय ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों की चर्चा करते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास एवं नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों ने आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पेम्मासानी ने मुख्यमंत्री श्री साय को अपने नारायणपुर तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों के दौरे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में केंद्र सरकार की योजनाएं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित हो रही हैं और स्थानीय जनता को इनका सीधा लाभ मिल रहा है। डॉ. पेम्मासानी ने माओवादी क्षेत्रों में तीव्र गति से हो रहे सकारात्मक बदलाव की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य का संकेत बताया। उन्होंने 'बिहान' योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का उल्लेख करते हुए कहा कि समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए बेलमेटल, मिलेट्स और घरेलू उत्पादों की गुणवत्ता अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इन समूहों की महिलाएँ 15 से 20 हजार रुपये मासिक आय अर्जित कर रही हैं, जो ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की कार्यकारिणी बैठक, सीएम साय बोले-

छत्तीसगढ़ में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट का अनुमोदन किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री श्री साय ने स्टेडियम परिसर में संघ के अध्यक्ष के नवीन कार्यालय कक्ष का विधिवत उद्घाटन भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु हमारी सरकार ने खेल अलंकरण समारोहों का पुनः शुभारंभ किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शीघ्र ही पूर्ण की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन दिया कि संघ के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेलों के विकास के लिए वृहद स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं को ?3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ओलंपिक खेलों में केवल प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने यह भी बताया कि वे स्वयं राज्य तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष हैं और बचपन से उन्हें तीरंदाजी का शौक रहा है। उन्होंने कहा कि जशपुर में एनटीपीसी के सहयोग से तीरंदाजी अकादमी का निर्माण किया जा रहा है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को विशेष लाभ मिलेगा।

प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं : टंकराम वर्मा

बैठक को संबोधित करते हुए खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में वर्षों से बंद खेल अलंकरण समारोह पुनः आरंभ किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची भी घोषित की जाएगी। श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित प्रशिक्षण और अवसर देने की है। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ युवा रत्न पुरस्कार की भी घोषणा की गई है, जिसके अंतर्गत खेल, कला, संगीत, साहित्य, उद्योग, व्यापार आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'खेलो इंडिया' योजना के तहत प्रत्येक जिले में खेलों को बढ़ावा देने के कार्य किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस आयोजन की प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रशंसा की है।

खेलों के विस्तार के लिए सरकार के प्रयास सराहनीय : विजय बघेल

इस अवसर पर सांसद एवं ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विजय बघेल ने भी बैठक को संबोधित किया और प्रदेश में खेलों के विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए संगठनात्मक सुदृढ़ता और संसाधनों की उपलब्धता पर बल दिया। बैठक में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया ने वर्ष 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए राज्य सरकार से मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेलों के विकास के लिए लिए गए निर्णयों और सहयोग से प्रदेश में एक सकारात्मक खेल वातावरण निर्मित हो रहा है। इस अवसर पर संघ के अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

सतनामी समाज के शपथ ग्रहण में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय, बोले- कुतुब मीनार से ऊंचा जैतखाम सतनामी समाज का गौरव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित सतनामी समाज के नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा समाज के विकास का मूलमंत्र है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए हम सबको मिल-जुलकर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में गिरौदपुरी धाम में कुतुब मीनार से भी ऊंचा जैतखाम निर्मित किया गया, साथ ही अनेक विकास कार्य भी संपन्न हुए। इससे न केवल समाज का गौरव बढ़ा है, बल्कि सतनामी समाज को वैश्विक पहचान भी मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी अनुरूप हमारी सरकार ने भी छत्तीसगढ़ को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि बाबा गुरु घासीदास जी के आशीर्वाद से यह संकल्प अवश्य पूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर राजधानी रायपुर में सतनामी समाज के बहुद्देशीय भवन निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, गिरौदपुरी स्थित मड़वा महल के शेष अधूरे कार्यों की पूर्णता हेतु 50 लाख रुपये की मंजूरी भी प्रदान की गई। उन्होंने समारोह में सम्मानित हो रहे प्रतिभावान विद्यार्थियों को पाँचङ्कपाँच हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की। इस अवसर पर कक्षा 10वीं और 12वीं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जब समाज के पदाधिकारी प्रतिबद्धता, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हैं, तो समाज की विश्वसनीयता बढ़ती है और समरसता के साथ समाज प्रगति की दिशा में अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि टीम भावना से कार्य करने पर रचनात्मक प्रयासों को बल मिलता है। उन्होंने गिरौदपुरी धाम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष एल.एल. कोसले के नेतृत्व में भव्य धर्मशाला निर्माण की पहल के लिए बधाई भी दी।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के आशीर्वाद से उन्हें सार्वजनिक जीवन के इन 40 वर्षों में विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और अब विधानसभा अध्यक्ष जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर मिला। बाबा जी का मनखे-मनखे एक बराबर का संदेश, श्वेत ध्वजा और श्वेत वस्त्र प्रदेश को शांति का प्रतीक बनाते हैं। पंथी नृत्य की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी विश्व में छत्तीसगढ़ की शांति व समरसता को स्थापित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी की सहभागिता और बाबा जी के आशीर्वाद से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ देश का सबसे विकसित राज्य बनेगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि समाज की उन्नति के लिए सामाजिक एकता और शिक्षा दो महत्त्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और प्रत्येक वर्ष प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में सतनामी समाज उन्नति के नए शिखर पर पहुँचेगा।

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि इन पदाधिकारियों के कंधों पर समाज को सशक्त बनाने की बड़ी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में समाज को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उद्योग, व्यापार एवं स्वरोजगार की दिशा में समाज को आगे आने का आह्वान किया। मंत्री बघेल ने जानकारी दी कि देशभर से पधारे सतनामी समाज के आध्यात्मिक गुरुओं की उपस्थिति में गिरौदपुरी धाम में 'गुरु दर्शन' के उपरांत एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी समाजजनों की सहभागिता अपेक्षित है। कार्यक्रम को सांसद कमलेश जांगड़े, विधायक पुन्नूलाल मोहले, गुरु खुशवंत साहेब, प्रगतिशील सतनामी समाज के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एलएल कोसले ने भी संबोधित किया। इस शपथग्रहण समारोह में विधायकगण डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, उत्तरी जांगड़े, शेषराज हरवंश, कविता प्राण लहरे, उत्तर प्रदेश से कमलेश दास, असम से मदन सतनामी, बिहार से श्याम दास, ओडिशा से सूरज भारती, राजस्थान से मारवाड़ सतनामी समाज के अध्यक्ष महेंद्र सतनामी, मध्यप्रदेश से किशन बंजारे तथा दिल्ली से डॉ. जगजीवन खरे सहित सतनामी समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अध्यात्म गुरुगण उपस्थित रहे। साथ ही, प्रदेश साहू समाज, यादव समाज, कुर्मी समाज, सर्व आदिवासी समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिगण भी इस समारोह में सम्मिलित हुए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950